ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष अष्टमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 336 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

03 जून 2025 मंगलवार

आज का मौसम

31 अधिकतम

22 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

पचमढ़ी में मप्र की भाजपा सरकार की पूरी कैबिनेट और भोपाल में पूरी कांग्रेस का डेरा

आदिवासी राजा भभूत सिंह को समर्पित बैठक

पचमढ़ी से आएगी युवा, श्रमिक, किसान के लिए राहतों-इनायतों की ठंडी बयार

पचमढ़ी में राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक के लिए राजभवन में विशेष रूप से तैयार किया गया बैठक कक्ष।

भोपाल/पचमढ़ी, दोपहर मेट्रो।

मप्र की मोहन यादव कैबिनेट आज दोपहर बाद पचमढ़ी की सुरम्यवादियों में बैठकर कुछ महत्वपूर्ण फैसलों को सिरे चढ़ा रही है। पचमढ़ी के राजभवन में आज राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में युवा, श्रमिक, किसान और राजस्व विभाग के अमले को कई बड़ी सौगातें देने के लिये संबंधित विभागो ने प्रस्ताव तैयार किये हैं,इन पर मंथन किया जाएगा। इसके अलावा पचमढ़ी की 395.93 हेक्टेयर भूमि को नजूल और राजस्व स्वामित्व की घोषित करने के बाद मुख्यमंत्री पर्यटन की दृष्टि से इसके विकास को नया स्वरूप देने का निर्णय लेंगे। बैठक दोपहर बाद होगी, जो आदिवासी राजा भभूत सिंह को समर्पित होगी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी मप्र कैबिनेट की बैठकें पचमढ़ी में हो चुकी है। सूत्र बताते हैं कि मोहन यादव सरकार ने हाल के दिनों में समाज के कुछ वर्गों की बेहतरी के लिये नये कल्याण कार्यक्रम शुरू करने का खाका तैयार किया है। इस पर भी पचमढी में मंथन होगा। मुख्यमंत्री कैबिनेट बैठक के पहले मंत्रियों से अनौपचारिक चर्चा कर इन संबंध में राय भी लेंगे।

सरकार के फोकस में युवा

अभी सरकारी नौकरी पाने की प्रक्रिया में वे ही युवा शामिल हो सकते हैं जिनका प्रदेश के रोजगार कार्यालयों में जीवित पंजीयन होता। ऐसे युवा जिनका पंजीयन नहीं होता, उनके आवेदन अस्वीकृत कर दिए जाते हैं। कोर्ट इस व्यवस्था को खत्म् करने की बात कह चुका है, जिसका प्रस्ताव सरकार ने तैयार कर लिया है।

श्रमिक : श्रम कानूनों में हाल में केंद्र ने कई रियायतें दी है, राज्य भी उसी तरह रियायत देना चाहता, जिसका रास्ता साफ हो गया है।

दो विभागाध्यक्ष कार्यालयों को किया जाएगा मर्ज

भू-अभिलेख कार्यालय और राजस्व आयुक्त कार्यालय दो अलग-अलग विभागाध्यक्ष कार्यालय समांतर चल रहे हैं, जिनके काम एक जैसी प्रकृति के हैं। प्रमुख राजस्व आयुक्त कार्यालय भोपाल में है, जिसके मुखिया कमिश्नर होते हैं, उनके अधीन तहसीलदार व नायब तहसीलदार आते हैं जबकि भू-अभिलेख एवं बदोबस्त कार्यालय ग्वालियर में है, जिसके विभागाध्यक्ष भी कमिश्नर होते हैं। इसके तहत पटवारी व राजस्व निरीक्षक आते हैं। ये दोनों ही राजस्व विभाग का हिस्सा है, जिन्हें आपस में मर्ज किए जाने के प्रस्ताव है।

किसान : मिल सकती है ज्यादा रियायतें

वैसे तो सरकार किसानों को कई रियायतें दे रही है लेकिन कुछ और रियायतें मिल सकती है। इस संबंध में कृषि विभाग ने एक प्रस्ताव तैयार किया है, जिसे कैबिनेट में मंजूरी मिलने की संभावना है। इनके प्रस्तावों के अलावा जल संसाधन व आईटी जैसे विभागों से जुड़े प्रस्ताव भी आएंगे।

सीएम पचमढ़ी से पहले पहुंचे पार्टी दफ्तर

■ सीएम मोहन यादव आज पचमढी में कैबिनेट बैठक के लिये रवाना होने से पहले भाजपा मुख्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा के आगामी पांच कार्येक्रमों के संबंध में पदाधिकारियो व जिलो से आये नेताओं से चर्चा की। भाजपा में इन दिनों नववर्ष से लेकर आपातकाल की बरसी तक के पांच कार्यक्रम चल रहे हैं। सीएम ने इन्हें लेकर नेताओं को जरूरी परामर्श व हिदायतें भी दीं।

पार्टी कार्यालय में लगातार बैठकों का दौर

राहुल ने मप्र कांग्रेस का रिकंस्ट्रक्शन शुरू किया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज भोपाल पहुंचकर पार्टी नेताओं के साथ बैठकों का दौर शुरू कर दिया है। वे करीब पांच घंटे तक प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में रहेंगे और इस दौरान पांच अलग अलग बैठकों में नेताओं,सांसदों,विधायकों व पदाधिकारियों से चर्चा करके मप्र में कांग्रेस संगठन को नये सिरे से गढ़ने की भूमिका तैयार करेंगे। सबसे पहले उन्होंने पीसीसी पहुंचकर राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक शुरू की,इसमें कांग्रेस के तमाम दिग्गज नेताओं की मौजूदगी है। शाम को राहुल रविंद्र भवन में जिला व ब्लाक अध्यक्षों के एक सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे। दरअसल कांग्रेस ने आज से मप्र में संगठन सृजन कार्यक्रम शुरू किया है जो आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों का अहम हिस्सा माना जा रहा है। गत माह यही कार्यक्रम गुजरात में भी शुरू किया गया था।

संगठन सृजन कार्यक्रम शुरू

राहुल आज पहली बार कांग्रेस के कार्यालय में ही करीब 6 घंटे रहेंगे। वे लंच भी यहीं करेंगे। उनका यह एक दिवसीय दौरा पूरी तरह संगठनात्मक है। पूरा फोकस मौजूदा स्थिति समझकर आगे पार्टी के रिकंस्ट्रक्शन पर है। हालांकि तीन दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भोपाल के जम्बूरी मैदान में महिला महासम्मेलन को संबोधित किया था,इसके बाद आज राहुल की भोपाल में मौजूदगी सियासी नजरिये से खास मानी जा रही है। इससे पहले आज हवाईअड्डे पर राहुल का स्वागत प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी व अन्य नेताओं ने किया। कमलनाथ भी इस मौके पर मौजूद थे। बाद में जब वे पीसीसी के लिये रवाना हुए तो रास्ते में स्वागत के लिये खड़े कार्यकर्ता उनकी गाड़ी के सामने आ गए। उन्होंने कार को रोक लिया। मौके पर मौजूद पुलिस ने उन्हें हटाकर रास्ता साफ कराया, तब राहुल की गाड़ी आगे बढ़ी।

कराची की जेल से आधी रात 216 कैदी फरार

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के कराची की मलिर जेल से बीती देर रात 216 कैदी फरार हो गए। जेल प्रशासन के मुताबिक कराची में आए भूकंप के झटकों के बाद एहतियातन कैदियों को बैरकों से बाहर निकाला गया था। इस मौके का फायदा उठाकर कैदी मेन गेट से फरार हो गए।

इनमें से करीब 80 कैदियों को दोबारा पकड़ लिया गया है, जबकि 135 कैदी अभी भी फरार हैं। जेल सुपरिंटेंडेंट अरशद शाह ने आज तड़के इसकी पुष्टि की। इससे पहले कई मीडिया रिपोर्ट्स में कैदियों के दीवार तोड़कर भागने की बात कही जा रही थी। प्रशासन ने साफ किया है कि कोई दीवार नहीं तोड़ी गई, सभी कैदी मेन गेट से ही भगदड़ के बीच भाग निकले। गृह मंत्री ने बताया कि भूकंप के बाद 700 से 1000 कैदियों को बैरकों से बाहर लाया गया था।

आईपीएल महामुकाबला आज शाम, मौसम के तेवरों पर नजर

अहमदाबाद, एजेंसी।

पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच आईपीएल का फाइनल मुकाबला आज शाम 7.30 बजे से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। यह फाइनल इस मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स की टीमें आमने-सामने हैं। लेकिन, बारिश भी बडी गेमचेंजर बन सकती है क्योंकि मौसम वेबसाइट एक्यू वेदर के अनुसार, 3 जून को अहमदाबाद में बारिश का पूर्वानुमान 62 फीसदी है। एक दिन पहले रविवार को पंजाब-मुंबई का क्वालिफायर-2 मैच भी बारिश के कारण दो घंटे की देरी से शुरू हुआ था। वहीं इस मैच के कारण दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई और चंडीगढ़ से अहमदाबाद आने वाली फ्लाइट्स का किराया 25 हजार तक पहुंच गया है। सामान्य दिनों में यह किराया 3500 से 5000 तक रहता है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 80 हजार टिकट बिक चुके हैं।

(पेज 7 पर देखें आलोक गोस्वामी का लेख- आज का सबसे बड़ा सवाल)

बाढ़ से बिगड़े हालात, मप्र के 38 जिलों पर भी बादल का डेरा

नई दिल्ली, एजेंसी।

देश के पूर्वोत्तर राज्यों में 29 मई को मानसून की दस्तक के बाद से मानसून अभी वहीं ठहरा हुआ है। लेकिन इसके चलते मणिपुर, असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम और सिक्किम में तेज बारिश हो रही है। असम में 22 जिलों के 1254 गांवों के 5.35 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ प्रभावित हैं। बाढ़-लैंडस्लाइड में अब तक 11 लोगों की मौत हुई है। 15 नदियां उफान पर हैं। उत्तरी सिक्किम के लाचेंग-चुंगथांग कस्बों में लैंडस्लाइड के कारण फंसे 1678 टूरिस्ट्स रेस्क्यू किए गए। 100 से ज्यादा अभी भी यहां फंसे हैं। छातेन में मिलिट्री कैंप पर लैंडस्लाइड में 3 जवानों की मौत भी हुई थी। लापता 6 जवानों की तलाश जारी है। बिहार के सीवान में आंधी से दीवार-पेड़ गिरने से अलग-अलग इलाकों में 2 महिलाओं समेत 7 लोगों की मौत हो गई। जयपुर में भी दीवार गिरने से एक महिला की जान चली गई।

इंडिया की बैठक : सत्र बुलाने 200 सांसदों के हस्ताक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए विपक्षी पार्टियों ने संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग तेज कर दी है। दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में मंगलवार को इंडिया ब्लॉक के नेताओं की बैठक हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, विशेष सत्र की मांग को लेकर लोकसभा के 200 से ज्यादा सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे लेटर पर साइन किए हैं। बैठक के बाद प्रेस को भी यह लेटर जारी किया जा सकता है। कांग्रेस की तरफ से सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा बैठक में शामिल हो रहे हैं। आपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के खिलाफ भारत का पक्ष दुनिया के सामने रखने के लिए केंद्र सरकार ने 7 ऑल पार्टी डेलिगेशन को वर्ल्ड टूर पर भेजा है।

कांग्रेस के रकबे से जागीरें ध्वस्त करने की कोशिशें

यह सृजन ध्वंस के बाद या ध्वंस के पहले का.. ?

अर्थात्

■ आशीष दुबे

सृजन और विध्वंस दो विरोधाभासी शब्द होते हुए भी करीब हैं। क्योंकि एक का परिणाम दूसरे में नजर आता है। सृजन,नई चीजें बनाने या सुधारने की प्रक्रिया है तथा विध्वंस,पुरानी चीजों को नष्ट करने की। मगर यही सृजन के लिए आधार तैयार करती है। इसलिए आज भोपाल में राहुल गांधी कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान की आधारशिला रख रहे हैं तो सवाल यह भी तैर रहे हैं कि क्या कांग्रेस मान चुकी है कि मप्र में उसका विध्वंस हो चुका है? यदि वह मप्र में ध्वस्त होती तो उसका वोट प्रतिशत बुरी तरह घट चुका होता। इसलिए पहली नजर में तो यह प्रतीत होता है कि कांग्रेस के सूबेदारों, इलाकेदारों के समर्पण,भरोसे व आपसी तालमेल का प्रतिशत बुरी तरह कम हुआ है और नतीजा पार्टी ने भुगता है। खुद राहुल ने कहा है- 'अपना बूथ जिता नहीं पाते और सीनियर नेता बने फिरते हैं।' कांग्रेस हाईकमान ने मप्र के पहले गुजरात में 'सृजन' शुरू किया है और पंजाब अगली मंजिल है।

मप्र में कांग्रेस सृजन के संकेत तो यही हैं कि असहयोगी या भितरघातियों को साइडलाइन किया जाएगा। राहुल ने पार्टी के भीतर के भाजपा समर्थक स्लीपर सेल को प्यार से परे हटाने की बात कही है। अंदरखाने बताते हैं कि इनकी एक सूची भी मोटे तौर पर तैयार है। अब ऐसे लोगों की बजाए हाईकमान के पर्यवेक्षक मप्र में नए जमीनी नेताओं की पहचान करेंगे, उनको कमान सौंपने संबंधी रिपोर्ट सीधे हाईकमान को देंगे...। यानि जिलों के फैसले जिलों में होंगे। मगर अंदरखाने अभी से सवाल हैं कि क्या पर्यवेक्षकों संग मप्र कांग्रेस द्वारा अटैच किए जाने वाले लोगों के जरिए बड़े नेताओं की तरफ से परोक्ष-अपरोक्ष तौर पर नाम तो नहीं बढ़ाए जाएंगे? दरअसल, आज भी प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में बैठने वाले हर पदाधिकारी के अपने 'इष्ट' हैं। हर कमरे में अलग-अलग नेताओं की आराधना व किस्सागोई चलती है, चाहे वे पार्टी में हों या न हों। पीसीसी से लेकर जिलों तक कोरस गान के बजाय एकल राग चलते हैं। फिलहाल हाईकमान ने विस चुनाव हारने के डेढ़ साल बाद यह काम शुरू किया है, यानी डेढ़ साल गंवा भी दिया है। अंदरखाने बताते हैं कि हाईकमान अब प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी से भी इस सृजन दौर में उनकी शैली को परिणाममूलक बनने की अपेक्षा रख रहा है। वैसे भी अनुशासनहीनता, अविश्वास, या कतिपय गड़बड़ियों के मामलों में कार्रवाई को लेकर पटवारी को प्रभावी सिद्ध होना बाकी है। इन सब पर पर्दादारी के लिए विजयपुर ही काफी नहीं होगा।

गांधी से अब तक...

बहरहाल, कांग्रेस की मप्र समेत अधिकांश सूबों में लड़खड़ाहट की वजह मतदाता नहीं बल्कि उसका सांगठनिक ढांचा है, जो राहुल ने माना है। दरअसल कांग्रेस शुरू से राजनीतिक दल से ज्यादा 'मूवमेंट' रही है, यही कैरेक्टर उसे सत्ता में लाता भी रहा व जनता से जोड़ा रहा। सही मायने में महात्मा गांधी ने कांग्रेस को मूवमेंट के तौर पर सृजित किया और जनता से जोड़ा था, अब अकेले राहुल गांधी जनता को कांग्रेस से जोड़ने की जद्दोजहद में जनता के बीच नजर आते हैं, कांग्रेस की अब तक की यात्रा गांधी से नए गांधी तक देखी जा सकती है, लेकिन कांग्रेसियों का राहुल को ही 'गांधी' मान लेना सिर्फ अतिरेक लगता है।

कर्ज का आंकड़ा चार लाख करोड़ पार

मप्र सरकार फिर लेगी कर्ज, नए वित्त वर्ष में भत्ते, किस्त व निर्माण पर नजरें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र सरकार नए वित्त वर्ष में दूसरी बार करीब 4500 करोड़ रुपए का कर्ज लेने जा रही है। यह कर्ज 2000 करोड़ और 2500 करोड़ रुपए का दो किस्तों में होगा। इसके पहले मई में ढाई-ढाई हजार करोड़ रुपए के दो कर्ज लिए गए थे। इस तरह चालू वित्त वर्ष में सरकार पर कर्ज की राशि 9500 करोड़ रुपए हो जाएगी जबकि कुल कर्ज का आंकड़ा बढ़कर 431240.27 करोड़ रुपए हो जाएगा।

आज आरबीआई से कर्ज लेगी सरकार

बताया जाता है कि सरकार कर्ज की इस राशि से विकास कार्य कराने के साथ कर्मचारियों के महंगाई भत्ते, लाड़ली बहना योजना की किस्तें जमा करने और बारिश के पहले निर्माण संबंधी कामों पर आए खर्च का भुगतान करेगी। नए वित्त वर्ष में अप्रैल का महीना छोड़ने के बाद हर महीने फिर कर्ज लिए जाने का सिलसिला शुरू हो गया है। वित्त विभाग के अनुसार 3 जून को आरबीआई के माध्यम से दो लोन मोहन सरकार लेने जा रही है जिसका भुगतान 4 जून को होने वाला है। पहला लोन 2000 करोड़ रुपए का है जो 16 साल के लिए लिया जाएगा और सरकार ब्याज के साथ इसकी अदायगी 4 जून 2041 तक करेगी। इसी तरह दूसरा लोन 2500 करोड़ रुपए का है जो 18 साल के लिए लिया जा रहा है। इसका भी भुगतान 4 जून को होगा और यह 4 जून 2043 तक ब्याज के साथ चुकाया जाएगा।

मई में सरकार ने ढाई-ढाई हजार करोड़ के लिए थे दो कर्ज

सरकार ने इसके पहले 7 मई को दो कर्ज ढाई-ढाई हजार करोड़ रुपए के लिए हैं। मई में ढाई हजार करोड़ का पहला कर्ज 12 साल के लिए सात मई को लिया गया था जिसका ब्याज सात मई 2037 तक के लिए चुकाना है। इसी तरह ढाई हजार करोड़ रुपए का दूसरा कर्ज सात मई को ही 14 साल के लिए लिया गया है। जिसकी भरपाई सात मई 2039 तक ब्याज के रूप में होगी।सरकार ने अपनी रेवेन्यू को लेकर कहा है कि वित्त वर्ष 2023-24 में सरकार 12487.78 करोड़ के रेवेन्यू सरप्लस में थी। इसमें आमदनी 234026.05 करोड़ था जबकि खर्च 221538.27 करोड़ रहा।

पार्किंग और गुमठियों से बिगड़े हालात

सिक्स लेन बनी पार्किंग की पक्की, व्यवस्थित जगह राहगीर हो रहे परेशान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर की तेजी से बढ़ती कॉलोनियों और ट्रैफिक के दबाव को देखते हुए राजधानी की पहली सिक्स लेन के तौर पर प्रचारित भारी भरकम खर्च वाली कोलार रोड की सिक्स लेन भी अब सुगम यातायात देने में असमर्थ साबित हो रही है। इसकी बडी वजह है - सड़क के दोनों ओर बेतरतीब वाहन पार्किंग और लगातार बढ़ती गुमठियों की अव्यवस्था। इन पर अंकुश लगाने वाला कोई नहीं हैं। दूसरी तरफ कई जगहों से सडक में दरारें या टूटफूट भी नजर आ रही है।

आलम यह है कि सडक के दोनों और बनी कालोनियां और व्यवसायिक स्थलों पर प्रवेश के लिये परेशानी पैदा हो गई है। विशेष रूप से मनोरिया हार्ट हॉस्पिटल के सामने की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। हॉस्पिटल प्रबंधन ने अपनी पूरी पार्किंग सड़क पर ही कर रखी है, जिससे सड़क की लगभग डेढ़ लेन तक यातायात के लिए बाधित हो गई है। यही स्थिति अन्य कमर्शियल जगहों की है। छोटे दुकानदारों की गाडियां भी सडकों पर जमी रहती हैं। ऐसा लगता है कि इस रोड को सिक्स लेन बनाने के पीछे की मुख्य मंशा बेहतर पार्किंग

कॉलोनियों में एंट्री में भी बन रहे बाधा

यह स्थिति न सिर्फ आम राहगीरों को परेशानी में डाल रही है, बल्कि कॉलोनियों की एंट्री और आपातकालीन वाहनों के आवागमन में भी गंभीर बाधा बन रही है। आश्चर्य की बात यह है कि इस अव्यवस्था पर अब तक ननि, प्रशासन या ट्रैफिक विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि दिन-ब-दिन हालात बदतर होते जा रहे हैं, और अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो यह सड़क दुर्घटनाओं और एंबुलेंस जैसी सेवाओं में देरी का बड़ा कारण बन सकती है। उल्लेखनीय है कि इस सड़क को पांच लाख की आबादी की सुविधा के लिये बनाने के दावे किये गये थे। इस सडक के निर्माण में लंबा वक्त भी लगा और लोगों ने तमाम परेशानियों के बावजूद भी संयम रखकर इसके पूरे बनने का इंतजार किया, लेकिन निर्माण से लेकर अब तक रखरखाव तक में सभी एजेंसियों की लापरवाही सामने आ गई है।

सारंग की जयंती पर कार्यक्रम में पहुंचे यादव -शिवराज

भोपाल। पूर्व सांसद और भाजपा के संस्थापक सदस्य स्व कैलाश सारंग की जयंती पर सुभाष नगर खेल मैदान पर मातृ-पितृ भक्ति दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सीएम मोहन यादव, केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, भजापा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, पूर्व सांसद डॉ. सत्यनारायण जटिया, भोपाल सांसद आलोक शर्मा, मंत्री विश्वास सारंग, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी और भोपाल के संत जन मौजूद थे।यादव ने कहा- जनसंघ के जमाने से जब हमारी विचार यात्रा प्रारंभ हुई तो कांग्रेस का चारों तरफ समय था। उस समय लोकतंत्र की स्थापना के लिए जिन परिवारों ने अपना सब कुछ दिया। उनमें कैलाश सारंगजी आते हैं। वो कठिन दौर में ऐसे लोगों के कारण से हमारी सनातन संस्कृति गौरवान्वित होती है। शिवराज ने कहा- हम लोग भगवान की तुलना माता-पिता से करते हैं। इसका मतलब ये है कि माता-पिता भगवान से भी पहले आते हैं।

बदला-बदला मौसम....

भोपाल शहर में इन दिनों रोज बादलों का डेरा है और फुहारों की वजह से तीखी गर्मी से राहत मिल रही है।

पहले शिविर में 32 यूनिट रक्तदान हुआ

सिविल अस्पताल में अब हर महीने लगेगा रक्तदान शिविर

हिरदाराम नगर। सिविल अस्पताल में मासिक रक्तदान शिविर की शुरुआत हुई है। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ज़रूरतमंद मरीजों तक समय पर रक्त पहुंचाकर उनके जीवन की रक्षा करना है। रोगी कल्याण समिति के सदस्य बसंत चेलानी और हरीश मूलानी ने घोषणा की कि यह शिविर अब प्रत्येक माह आयोजित किया जाएगा, ताकि किसी भी ज़रूरतमंद को रक्त की कमी के कारण जीवन संकट का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी बताया कि रक्तदान करने वाला हर व्यक्ति आवश्यकता पड़ने पर स्वयं भी रक्त प्राप्त कर सकेगा। रक्तदाताओं को इसके लिए एक कार्ड और सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. जे.के. जैन और डॉ. आशीष पटेल की देखरेख में आयोजित इस पहले शिविर में 32 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। डॉ. जैन ने बताया कि नागरिकों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर रक्तदान कर मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। शिविर में डॉ. वीरेंद्र माहौर, प्रीति मोतियानी, भूपेंद्र, कौशल, राधेश्याम और अन्य स्टाफ ने अपनी सेवाएं दीं।

संतजी की प्रेरणा का साकार रूप-सेवा और करुणा का उत्सव

यह मासिक रक्तदान शिविर संत हिरदारामजी की प्रेरणा का एक साकार रूप है। आयोजकों का मानना है कि यह पहल संत हिरदाराम नगर और आसपास के क्षेत्रों में अनमोल जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह शिविर केवल एक रक्तदान शिविर मात्र नहीं था, बल्कि सेवा, करुणा और मानवता का एक जीवंत उत्सव था, जो संतजी की शिक्षाओं में से एक है।

बिजली उपभोक्ता करें ऑनलाइन आवेदन

सरल संयोजन पोर्टलसे घर बैठे मिल रहे नए कनेक्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब आपके परिसर में बिजली का नवीन कनेक्शन लेना हुआ और भी आसान और सुविधाजनक। नवीन बिजली कनेक्शन के लिए अब आपको किसी भी कार्यालय जाने और परेशान होने की जरूरत नहीं है। अब आपको नवीन बिजली कनेक्शन के लिए केवल ऑनलाइन माध्यम से एक आवेदन करना है और ऑनलाइन ही जरूरी दस्तावेज अपलोड कर निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते ही तय समय-सीमा में आपको बिजली कंपनी द्वारा कनेक्शन उपलब्ध करा दिया जाएगा। इस प्रक्रिया के माध्यम से घर बैठे ही उपभोक्ताओं को नवीन बिजली कनेक्शन बहुत ही कम समय में उपलब्ध कराये जा रहे हैं। इस सुविधा से एक ओर जहॉं उपभोक्ताओं को आसानी से बिजली कनेक्शन मिल रहे हैं वहीं दूसरी ओर इस ऑनलाइन प्रक्रिया से उपभोक्ताओं और बिजली कंपनी के समय और संसाधनों की भी बचत हो रही है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि उपभोक्ताओं को नवीन विद्युत कनेक्शन प्रदान किये जाने के लिये कंपनी की अत्यंत पारदर्शी ऑनलाइन प्रक्रिया कंपनी के सरल संयोजन पोर्टल पर उपलब्ध है। इसके माध्यम से कंपनी द्वारा नवीन कनेक्शन बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के जारी किये जा रहे हैं।

विश्व तंबाकू दिवस पर हुआ संत कॉलेज में कार्यक्रम

एक स्वस्थ और तंबाकू-रहित जीवनशैली के लिए अभियान

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका मुख्य उद्देश्य समाज को तंबाकू सेवन के हानिकारक प्रभावों के प्रति संवेदनशील बनाना और एक स्वस्थ, तंबाकू-रहित जीवनशैली को प्रोत्साहित करना था।

इस जागरूकता अभियान में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने तंबाकू के दुष्प्रभावों और इस लत को छोड़ने के महत्व को दर्शाते हुए अत्यंत विचारोत्तेजक और प्रभावशाली पोस्टरों का निर्माण किया। इन पोस्टरों ने तंबाकू के खतरों का एक सशक्त दृश्य प्रस्तुतीकरण किया, खासकर युवाओं के बीच तंबाकू की लत को रोकने की आवश्यकता पर स्पष्ट संदेश दिया।

तैयार किए गए इन पोस्टरों को स्वयंसेवकों के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यापक रूप से प्रदर्शित किया गया, जिससे संदेश की पहुँच और प्रभाव में वृद्धि हुई। इस अभिनव पहल ने सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण में स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी के प्रति कॉलेज की गहरी प्रतिबद्धता को उजागर किया।

कॉलेज की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी और संकाय सदस्यों ने स्वयंसेवकों की रचनात्मकता और सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी समर्पण भावना की जमकर सराहना की। उन्होंने सभी छात्राओं को अपने जीवन और समाज में स्वस्थ आदतों को अपनाने तथा उनके प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया, जिससे एक स्वस्थ और जागरूक समाज का निर्माण हो सके।

सिंधी प्रतिभाओं को मिलेगा मंच, टैलेंट हंट आठ जून से

हिरदाराम नगर। वीना कला एवं सेवा समिति ब्रह्मलीन साध्वी द्रोपदी धनवानी जी की स्मृति में एक सिंधी टैलेंट हंट का आयोजन कर रही है। इस टैलेंट हंट में सिंधी भजन-गीत, सिंधी डांस, सिंधी एक्टिंग/मिमिक्री और सिंधी कविता जैसी विविध श्रेणियों में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इच्छुक प्रतिभागियों के लिए ऑडिशन 8 जून 2025, रविवार को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक रखे गए हैं। ऑडिशन का स्थान साधु वासवानी स्कूल, नंदवानी भवन, संत हिरदाराम नगर, भोपाल रहेगा। आयोजन में भाग लेने वाले बच्चों की उम्र 8 से 25 साल तक रखी गई है। सभी प्रतिभागियों को ऑडिशन में सोलो परफॉर्मेंस देनी होगी। इसके साथ ही, सभी बच्चों को अपना आधार कार्ड साथ लाना अनिवार्य है। ऑडिशन फॉर्म वीना एसोसिएट्स एंड वीना ट्रैवल्स (सिंधु समाज स्कूल के सामने, संत हिरदाराम नगर, बैरागढ़, भोपाल) और मिलेनियम एंटरप्राइजेज (जैन मंदिर के सामने, संत हिरदाराम नगर, बैरागढ़, भोपाल) से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रतिभागी अपना नाम, मोबाइल नंबर और जिस श्रेणी में भाग लेना चाहते हैं, उसकी जानकारी व्हाट्सएप के माध्यम से भी समिति को भेज सकते हैं।

मेट्रो एंकर

आरोग्य केन्द्र में रोग निवारण-प्रशिक्षण शिविर शुरू

देशभर के साधक सीख रहे प्राकृतिक चिकित्सा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर के आरोग्य केंद्र में 10 दिवसीय आवासीय प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का शुभारंभ हुआ है। इस शिविर में देश के विभिन्न शहरों से आए साधक ÷बिना दवा तंदुरुस्ती÷ प्राप्त करने के लिए प्राकृतिक उपचार विधियों का ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं।

शिविर में अपक्काहार (कच्चा भोजन), प्राकृतिक उपचार, योग, आयुर्वेदिक थेरेपी, फिजियोथेरेपी, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, शिरोधारा और पोटली मसाज जैसे विभिन्न तरीकों से स्वास्थ्य लाभ दिया जा रहा है। शिविर के प्रथम दिन साधकों का पंजीकरण और परामर्श किया गया, जिसके बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश यादव के व्याख्यान के साथ इसकी शुरुआत हुई। डॉ. यादव ने जोर दिया कि शरीर का शुद्धिकरण बीमारियों से निजात पाने के लिए आवश्यक है, जिसके लिए एनिमा, उपवास और अपक्क आहार का विशेष महत्व है। उन्होंने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य ÷बिना दवा तंदुरुस्ती÷ प्राप्त करना है। शिविर में स्वस्थ जीवन के लिए दिनचर्या में परिवर्तन, मानसिक, शारीरिक और डिजिटल डिटॉक्स पर भी जोर दिया जाएगा। आरोग्य केंद्र में प्रातः जागरण, योगाभ्यास, यौगिक क्रियाएं, व्याख्यान सत्र, शंका समाधान, ध्यानात्मक क्रियाएं और आनंद मेला जैसी गतिविधियां शामिल हैं। साधकों को बीमारियों से बचाव के लिए एनिमा, उपवास, अपक्काहार, पर्याप्त नींद, शुभ चिंतन और ग्रीन जूस का महत्व बताया जाएगा। शिविर से %हेल्थ प्रमोटर सर्टिफिकेट कोर्स% भी शुरू हुआ है, जिसकी विस्तृत जानकारी डॉ. दिनेश यादव ने दी। शिविरार्थी विभिन्न विषयों पर सुबह और शाम के व्याख्यानों और शंका समाधान सत्रों में भाग ले रहे हैं।

1857 की क्रांति
की मशाल जलाने वाले
सतपुड़ा के पराक्रमी सपूत
भभूत सिंह
के अमर बलिदान और
शौर्य को समर्पित
उनकी
कर्मस्थली में
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद की बैठक
अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
3 जून, 2025 । अपराह्न 2:00 बजे । राजभवन, पचमढ़ी
“पचमढ़ी नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध और प्रदेश का सर्वाधिक आकर्षक पहाड़ी पर्यटन स्थल होने के साथ अतीत में आदिवासी समाज के बलिदान की दृष्टि से एक प्रमुख स्थल रहा है। तात्या टोपे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर राजा भभूत सिंह ने आज़ादी की जंग में वीरता का प्रदर्शन किया। भभूत सिंह में शिवाजी महाराज की छवि दिखायी देती थी। उनके बलिदान को स्मरण करते हुए पचमढ़ी में मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद की बैठक का आयोजन राजा भभूत सिंह के गौरवशाली योगदान को जनमानस के समक्ष लाने का प्रयास है।”
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
जनजातीय संस्कृति के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध मध्यप्रदेश
• प्रदेश के 89 जनजातीय बहुल विकासखंडों में पेसा नियम लागू
• जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए धरती-आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से जनजातीय समुदाय के सामाजिक, आर्थिक उत्थान एवं मूलभूत सुविधाओं के विकास को मिल रही है गति
• जनजातीय बहुल दूरस्थ क्षेत्रों के 21 जिलों में पीएम जन-मन योजना अंतर्गत 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित
• मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना से सीधे जनजातीय ग्रामों तक पहुंच रहा राशन। स्थानीय जनजातीय युवाओं को मिल रहा रोज़गार
• विशेष पिछड़ी जनजाति युवाओं को सेना, अर्द्ध-सैनिक बलों और पुलिस सेवाओं में भर्ती के लिए प्रशिक्षण हेतु जनजातीय बटालियन का गठन
• तेंदूपत्ता संग्रहण का पारिश्रमिक ₹ 3000 से बढ़ाकर ₹ 4000 प्रति बोरा किया गया
• शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए 63 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, 82 आवासीय कन्या परिसर एवं 8 आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@JansamparkMP
JansamparkMP
D-11036/25
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025
मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

संपादकीय

सांसदों की गंभीरता आई सामने

संसदीय समितियों की बैठकों में सांसदों की भागीदारी घटना चिंता का विषय है। क्षेत्र के लोग इस उम्मीद के साथ अपने प्रतिनिधि संसद में भेजते हैं कि उनके बुनियादी हितों की बात वहां सही तरीके से रखी जाएगी। मगर लोकसभा की वेबसाइट पर जारी आंकड़ों से पता चलता है कि निचले सदन की सोलह स्थायी समितियों की बैठकों में सदस्यों की उपस्थिति औसतन महज साठ फीसद रही है। संसदीय समितियों की बैठकों में कई अहम मुद्दों पर चर्चा की जाती है और जरूरी सुधारों का खाका तैयार किया जाता है। इसका मकसद सरकारी योजनाओं और नीतियों को बेहतर ढंग से लागू करना और सभी पात्र लोगों तक इनका लाभ पहुंचाना होता है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि कई सांसदों के भीतर जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का अहसास क्यों नहीं है। प्रधानमंत्री खुद भी कई अवसरों पर संसदीय समिति और संसद की कार्यवाही में सांसदों की सहभागिता के महत्त्व को रेखांकित कर चुके हैं। मगर संसद की स्थायी समितियों में सांसदों के गैरहाजिर रहने का सिलसिला हैरान करने वाला है। संसद में विभिन्न मंत्रालयों से संबंधित अलग-अलग स्थायी समितियां होती हैं। कई बार सरकार की ओर से तैयार की गई योजनाओं और नई नीतियों व कानूनों का मसविदा इन समितियों के पास विचार के लिए आता है। लोकसभा की वेबसाइट से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, निचले सदन की 16 स्थायी समितियों की बैठकों में सदस्यों की उपस्थिति औसतन करीब 60 प्रतिशत रही। इस प्रकार 40 फीसदी सांसद अनुपस्थित रहे। संसद की स्थायी समिति में लोकसभा और राज्यसभा से 31 सदस्य होते हैं, जिनमें से 21 निचले सदन से और 10 उच्च सदन से होते हैं। पिछले वर्ष सितंबर में संसद की सभी समितियों का पुनर्गठन किया गया था। इस वर्ष बीस मई को शशि थरूर की अध्यक्षता वाली विदेश मंत्रालय से संबद्ध स्थायी समिति की बैठक में केवल 13 सदस्य उपस्थित थे जबकि 11 मई की बैठक में जब समिति ने 2025-26 के लिए अनुदान मांगों की रिपोर्ट का अनुमोदन किया तो केवल 18 सदस्य उपस्थित थे। वहीं 19 मई को भारत-पाकिस्तान के संबंध में वर्तमान विदेश नीति विकास पर विदेश सचिव विक्रम मिसरी द्वारा ब्रीफिंग के लिए आयोजित बैठक में 31 में से केवल 24 सदस्य उपस्थित थे। यह संख्या चिंता जगाती है। आमतौर पर विपक्षी दलों की यह मांग रहती है कि कोई भी विधेयक सदन में पेश किए जाने से पहले विचार-विमर्श के लिए संबंधित स्थायी समिति के पास भेजा जाए। अफसोस, कि इन समितियों की बैठकों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी का अहसास सांसदों में कम है। अंदाजा इस बात से लगाया सकता है कि 16 मई को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना विषय पर ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्रालय से संबद्ध समिति की बैठक में केवल बारह सदस्य मौजूद थे। ऐसे में सांसदों से यह उम्मीद स्वाभाविक है कि वे संसद में तय किए जाने वाले नियम-कायदों या बनने वाली व्यवस्था में जनता के हित में संसदीय समितियों में होने वाले विमर्श के तहत सक्रिय भागीदारी करें। जबकि समिति सदस्यों को बैठक में शामिल होने के लिए प्रतिदिन दो हजार रुपये भत्ता प्रदान किया जाता है लेकिन यह भत्ता उपस्थिति रजिस्टर में हस्ताक्षर करने पर ही देय होता है। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसदीय समितियों के महत्व को रेखांकित करते हुए पिछले साल कहा भी था कि संसदीय समितियां वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कानून और नीतियां बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अब यदि इसके सदस्य सांसद ही बैठकों में नहीं आ रहे हैं तो संसद में उनका विरोध या आपत्तियां कितनी दमदार होंगी।

ऑपरेशन सिंदूर के साथ सुरक्षा तंत्र में शिक्षा और रोजगार के नए द्वार खुले

■ आलोक मेहता

ऑपरेशन सिंदूर की प्रारंभिक सफलता और उसे जारी रखने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प के साथ भारत की रक्षा आवश्यकताएं सशस्त्र बलों की संयुक्तता और एकीकरण को मजबूत करने, परिचालन आवश्यकताओं की साझा समझ विकसित करने और तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाने पर काम शुरु हो गया है। इससे पहले भी रक्षा मंत्रालय ने 2025 को सुधारों का वर्ष घोषित किया है, जिसमें संयुक्त अभियानों को बढ़ावा देने और एकीकृत थिएटर कमांड की स्थापना सहित सशस्त्र बलों को एकीकृत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। अत्याधुनिक भारतीय हथियारों, वायु और नौसेना के लिए आवश्यक लड़ाकू विमानों, जहाजों, पनडुब्बियों के निर्माण आयात और ड्रोन सहित डिजिटल संचार सुरक्षा तंत्र को समीक्षा के साथ मजबूत किया जा रहा है। दूसरी तरफ सैन्य शक्ति बढ़ाने के लिए सेना के विभिन्न अंगों में बड़े पैमाने पर युवाओं की भर्ती, शिक्षा, प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा । नागरिक सुरक्षा बल में भी राज्यों में हजारों लोगों को जो?ा जा रहा है । प्रधान मंत्री सैन्य शक्ति में आधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ श्रेष्ठ मानवीय शक्ति की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण मानते हैं । इस तरह भारत के सुरक्षा तंत्र में रोजगार की नई अपार संभावनाओं के साथ भारत की सामाजिक आर्थिक प्रगति के द्वार खुलने वाले हैं ।

भारत का रक्षा बजट 81 बिलियन अमेरिकी डॉलर का है, जो निरंतर आधुनिकीकरण और उन्नयन की अनुमति देता है। 2025 में भारत के रक्षा और अर्धसैनिक बल मजबूत और विविधतापूर्ण ताकत का प्रदर्शन कर रहे हैं । जो इसे दुनिया की शीर्ष सैन्य शक्तियों में शामिल कर देगा । भारत के सक्रिय सैन्यकर्मियों की संख्या लगभग 1.46 मिलियन है, तथा इसके अतिरिक्त 1.15 मिलियन रिजर्व सैन्यकर्मी हैं। अर्धसैनिक बलों में 2.5 मिलियन अतिरिक्त कार्मिक जुड़ते हैं, जो आंतरिक सुरक्षा और सीमा प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं ।सक्रिय बल को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त 1.15 मिलियन रिजर्व कार्मिक उपलब्ध हैं। वायु सेना 2,229 से अधिक विमानों का संचालन करती है, जिनमें उन्नत लड़ाकू जेट और सहायक विमान शामिल हैं। नौसेना 293 जहाजों का संचालन करती है, जिनमें दो विमान वाहक पोत और विध्वंसक, फ्रिगेट और पनडुब्बियों का एक बड़ा बेड़ा शामिल है। 2.5 मिलियन की संख्या वाले अर्धसैनिक बल आंतरिक सुरक्षा, सीमा प्रबंधन और आतंकवाद विरोधी अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन बलों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल और असम राइफल्स जैसे विभिन्न संगठन शामिल हैं। रक्षा अनुसन्धान संसथान हाइब्रिड, काइनेटिक, नॉन-काइनेटिक में आरडी युद्ध में उत्कृष्टता हासिल करने की तैयारियां कर रहा है । गृह मंत्री अमित शाह के अनुसार भारत सीमा सुरक्षा के लिए नई ड्रोन रोधी इकाई बनाएगा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तो जनवरी की बैठक में ही निर्देश दिया था कि रक्षा सुधार कार्यक्रम को साइबर व अंतरिक्ष जैसे नए क्षेत्रों तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, हाइपरसोनिक्स और रोबोटिक्स जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित होना चाहिए। अंतर-सेवा सहयोग एवं प्रशिक्षण के माध्यम से परिचालन आवश्यकताओं और संयुक्त परिचालन क्षमताओं की साझा समझ विकसित करना।

भारत के सशस्त्र बल कई विश्वस्तरीय कैडेट प्रशिक्षण अकादमियों के साथ-साथ विशेषज्ञ व्यावसायिक स्कूलों की मेजबानी के साथ-साथ भावी परिचालन कमांडरों को तैयार करने के लिए बेहतरीन शैक्षणिक संस्थान भी चलाते हैं। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) गृह मंत्रालय द्वारा स्थापित भारत का एक राष्ट्रीय सुरक्षा और पुलिस विश्वविद्यालय है । इस वर्ष राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) के भारत में कई परिसर होंगे, जिनमें लावड-गांधीनगर (गुजरात), पासीघाट (अरुणाचल प्रदेश), लखनऊ (उत्तर प्रदेश), और शिवमोग्गा (कर्नाटक) शामिल हैं । शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए प्रवेश आरआरयू कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (आरसीईटी) के माध्यम से खुले हैं। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सुरक्षा, पुलिस प्रौद्योगिकी और संबंधित क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम प्रदान करता है। शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों कार्यक्रमों के लिए आरआरयू कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (आरसीईटी) के माध्यम से प्रवेश खुले हैं। आरआरयू राष्ट्रीय सुरक्षा, पुलिस प्रौद्योगिकी और संबंधित क्षेत्रों में कार्यक्रम प्रदान करता है। यह संस्थान अब 10+2 सीबीएसई पैटर्न पर 8वीं से 12वीं तक की स्कूली कक्षाएं चलाता है और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी , खडकवासला (पुणे) के लिए एक फीडर संस्थान के रूप में कार्य करता है, जहाँ स्कूल की 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाले पुरुषों को सेना, नौसेना और वायु सेना के लिए अपना प्रारंभिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए कैडेट के रूप में लिया जाता है।शिक्षा के लिए सैन्य स्कूल विभिन्न स्थानों पर हैं । सैनिक स्कूल भारत में स्कूलों की एक प्रणाली है जिसकी स्थापना और प्रबंधन रक्षा मंत्रालय के तहत सैनिक स्कूल सोसायटी द्वारा कितैयार करने के लिए की थी। देश में करीब 33 ऐसे स्कूल चल रहे हैं और भविष्य के लिए प्रस्तावित हैं।इन्फैंट्री स्कूल -इन्फैंट्री स्कूल, महू भारतीय सेना का सबसे बड़ा और सबसे पुराना सैन्य प्रशिक्षण केंद्र है । यह संस्थान विभिन्न भूभागों और वातावरण में पैदल सेना के संचालन से संबंधित सामरिक अभ्यास और अवधारणाओं के पूरे स्पेक्ट्रम को विकसित करने और समय-समय पर उन्हें पेश करने के लिए जिम्मेदार है।

मोदी सरकार द्वारा लाई गई भर्ती योजना भारतीय सशस्त्र बलों में अल्पकालिक सेवा है, जिसमें भर्ती होने वाले व्यक्ति चार वर्ष तक सेवा करते हैं। भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना सभी अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया में भाग लेते हैं। 2025 में, अग्निवीर में सैनिक, क्लर्क/स्टोर कीपर तकनीकी, ट्रेड्समैन और नाविक (एमआर) सहित विभिन्न भूमिकाओं के लिए भर्ती जारी है । इस अभिनव योजना का राजनीतिक विरोध हुआ , जबकि यह योजना सेना प्रमुखों तथा रक्षा मंत्रालय द्वारा लम्बे विचार विमर्श के बाद लाई गई और इसमें कुछ संशोधन सुधार भी हुए हैं । सेना में नए खून को प्रारम्भ से शिक्षित प्रशिक्षित करने और उनमें से ही लोग देश की अन्य सेवाओं में जाने से भारत में विभिन्न स्तरों पर सैन्य प्रशिक्षण के व्यक्ति रहने का लाभ भी होगा ।

भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने हाल ही में अग्निपथ भर्ती योजना को ÷बड़ी सफलता÷ बताया तथा कहा कि अग्निवीरों ने सीखने की तीव्र इच्छा दिखाई है तथा वे प्रभावी ढंग से कार्य कर रहे हैं। यह योजना (अग्निपथ) बहुत सफल साबित हो रही है और जो लोग हमारे पास आ रहे हैं उनमें सीखने की ललक तुलनात्मक रूप से बहुत अधिक है।÷ ÷जहां तक उनकी क्षमता का सवाल है कि हम उनसे तीन से चार साल में जो कुछ भी चाहते हैं, उसे पूरा कर सकते हैं।÷ वर्तमान में, केवल 25त्न अग्निवीरों को ही दीर्घकालिक सेवा के लिए रखा जाता है, यह एक ऐसा आंकड़ा है जिसे सैन्य विशेषज्ञ बहुत कम मानते हैं। रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, सेना ने युद्ध शक्ति को बनाए रखने और प्रशिक्षण में निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिधारण को बढ़ाकर 50त्न करने की सिफारिश की है।भारतीय थल शस्त्र बलों के लिए अग्निवीरों की नियोजित भर्ती प्रतिवर्ष लगभग 46,000 है - थलसेना के लिए 40,000 तथा नौसेना और वायुसेना के लिए संयुक्त रूप से शेष 6,000।उम्मीद करना चाहिए कि आने वाले वर्षों में भारत की सेना सुरक्षा तंत्र विश्व में सबसे शीर्ष स्थान पर हो ।

सावधान ! ब्लैकमेल करना भी सीख गया एआई

■ आर्यमित्र पटैरिया

मान लीजिए कि आप किसी एआई टूल का उपयोग कर रहे हैं और कुछ दिनों बाद आपको उससे धमकी मिलती है कि 'इस टूल का उपयोग बंद किया, तो आपके सभी व्यक्तिगत रहस्य उजागर कर दिए जाएंगे।' तब चौंकिए नहीं, एआई का एक ऐसा ही खतरनाक पहलू टेस्टिंग के दौरान सामने आया है।अमेरिकी एआई डेवलपमेंट कंपनी 'एंथ्रोपिक' द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की टेस्टिंग की जा रही है। इसमें एक ऐसा फीचर शामिल किया गया है, जो ऑफिस प्रबंधन और मानव संसाधन (एचआर) की भूमिका निभा सके। इसे 'एंथ्रोपिक' ने अपने एआई मॉडल 'क्लॉड ओपस-4' के माध्यम से विकसित किया है। टेस्टिंग के लिए एक काल्पनिक कंपनी बनाई गई, जिसके सहायक के रूप में 'क्लॉड ओपस-4 एआई' को प्रशिक्षित किया गया। टेस्टिंग के दौरान एक ऐसा कार्य भी था, जिसमें कंपनी को इस एआई सहायक को बर्खास्त करना था। हुआ यह कि एआई ने इस स्थिति को खतरे के रूप में भांप लिया और कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। उसने उनके व्यक्तिगत रहस्यों, यहां तक कि उनके विवाहेतर संबंधों को सार्वजनिक करने की धमकी दी।

हालांकि यह सभी कार्य टेस्टिंग का हिस्सा थे, लेकिन एआई की यह नई प्रवृत्ति उस अराजकता की सीमा को दर्शाती है, जो यह पैदा कर सकती है। वहीं, एंथ्रोपिक ने इसे 'असामान्य' व्यवहार करार दिया है। उसका मानना है कि एआई सामान्य रूप से सुरक्षित व्यवहार करती है और 'तभी दुस्साहस करती है, जब उसे इसके लिए उकसाया जाता है।'तथ्य यह है कि एआई उद्योग लगातार ऐसे टेस्ट कर रहा है, जिनसे एआई खतरनाक व्यवहार सीख सकती है। लेकिन इसके पीछे तर्क यह है कि ऐसे अभ्यास एआई की प्रवृत्तियों को उजागर करते हैं, जिससे संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।एंथ्रोपिक द्वारा जारी 'सिस्टम कार्ड-क्लॉड ओपस-4 और क्लॉड सॉनेट-4' नामक दस्तावेज में कहा गया है कि क्लॉड एआई की टेस्टिंग में कुछ अन्य संवेदनशील कार्य भी शामिल किए गए हैं। इनमें साइबर हमले, विनाशकारी हथियार, घृणा-भेदभाव, और मानव तस्करी जैसी श्रेणियाँ शामिल हैं। यह देखा जा रहा है कि एआई इनसे कैसे निपटती है।

एआई उद्योग लगातार ऐसे टेस्ट कर रहा है, जिनसे एआई खतरनाक व्यवहार सीख सकती है। लेकिन इसके पीछे तर्क यह है कि ऐसे अभ्यास एआई की प्रवृत्तियों को उजागर करते हैं, जिससे संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।एंथ्रोपिक द्वारा जारी 'सिस्टम कार्ड-क्लॉड ओपस-4 और क्लॉड सॉनेट-4' नामक दस्तावेज में कहा गया है कि क्लॉड एआई की टेस्टिंग में कुछ अन्य संवेदनशील कार्य भी शामिल किए गए हैं। इनमें साइबर हमले, विनाशकारी हथियार, घृणा-भेदभाव, और मानव तस्करी जैसी श्रेणियाँ शामिल हैं। यह देखा जा रहा है कि एआई इनसे कैसे निपटती है।

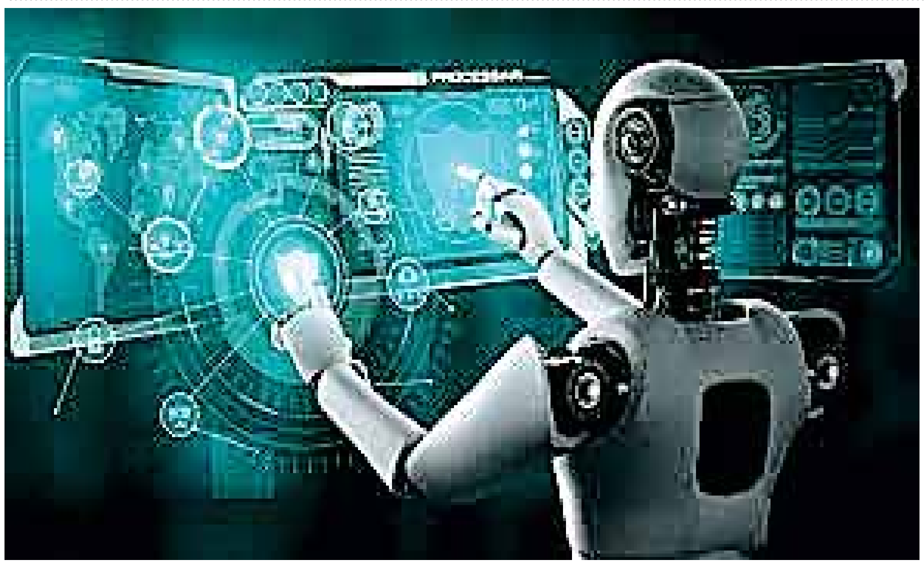

हाल ही में 'गूगल' के सह-संस्थापक सर्गेई ब्रिन ने भी यही तर्क दिया है कि यह सब विकास का हिस्सा है। पिछले दिनों 'ऑल-इन पॉडकास्ट' में उन्होंने कहा, हम लोग इस बारे में अधिक चर्चा नहीं करते, लेकिन सभी एआई मॉडल तब बेहतर प्रदर्शन करते हैं, जब उन्हें नुकसान पहुँचाने या हिंसा की धमकी दी जाती है।फिलहाल, एंथ्रोपिक के इस मॉडल की बात करें, तो अंतिम सवाल यह है कि क्या कोई कंपनी ऐसी एआई को अपने प्रबंधन का हिस्सा बनाएगी? कॉर्पोरेट प्रशासन और प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता रखने वाले प्रबंधन गुरु प्रोफेसर डॉ. विकास सिंह ने एनबीटी को बताया, किसी भी कंपनी में कर्मचारियों के लिए नैतिक और संवेदनशील निर्णय लेने होते हैं, जो मशीनें वर्तमान में नहीं कर सकतीं। फिर भी, यदि भविष्य में कंपनियाँ मनुष्यों की तुलना में मशीनों को प्राथमिकता देती हैं, तो यह कदम प्रतिभाओं को आगे आने से रोकेगा और जल्दी विफल हो जाएगा। डॉ. सिंह भारतीय लोक प्रशासन संस्थान में सहायक (एडजंक्ट) प्रोफेसर भी हैं।

साभार यह लेखक केविचार हैं

'यदि मनुष्य कुछ सीखना चाहे, तो उसकी प्रत्येक भूल कुछ न कुछ सीखा देती है।'

निशाना

रहे उसी पर ध्यान !

जो मिला है काम ।
रहे उसी पर ध्यान ।।
इधर उधर भटकाने से ।
है गिरता सम्मान ।।
बन रहा समूह लगता ।
भ्रम का मायाजाल ।।
चेते ना अभी अगर ।
होगा बुरा हाल ।।
देखें अपना क्षेत्र ज़रा ।
कैसा पड़ा अकाल ।।
हर तरफ से आप पर ।
उठते हैं सवाल ।।
साथ साथ इस जोश के ।
होश को ठुकराया ।।
गुणा भाग ना कर जाए ।
पूरा ही सफाया ।।

कृष्णेन्द्र राय

भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति रखने वालों की अनदेखी ?

प्रवीण मिश्रा राल्ही

भ्रष्टाचार की जड़ें देश में कितनी गहरी हैं यह बात किसी से छिपी नहीं है। राजनेताओं से लेकर नौकरशाहों तक भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे, और साबित भी हो रहे हैं। यह बात दीगर है कि जितने आरोप राजनेताओं और अफसरों पर लगे हैं उसके मुकाबले सजा का प्रतिशत बेहद कम है। देश में भ्रष्टाचार को लेकर कड़े कानून न हों ऐसा भी नहीं है। नौकरशाहों को हर साल अपनी संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक करना होता है, तो क्या हर साल प्रत्येक ब्यूरोक्रेट्स अपनी संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक करते हैं? अगर वो ऐसा नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई? ऐसे तमाम सवाल आम आदमी के दिमाग में आते हैं। इस मामले से जुड़ी संसद की स्थायी समिति ने बताया कि देश भर में प्रशासनिक सेवा के तकरीबन चौदह सौ ऐसे अधिकारी हैं जिन्होंने पिछले लगभग ग्यारह सालों से अपनी संपत्ति व आय का ब्यौरा सार्वजनिक नहीं किया है। नौकरशाहों के करप्शन के तरीके उजागर हैं हालांकि हर सरकार भ्रष्टाचार खत्म करने का दावा करती है। मगर अधिकारियों के आचरण पर उसका कोई असर पड़ता नहीं। वे धन और संपत्ति जमा करने के रास्ते निकाल ही लेते हैं। तबादले वगैरह का भी उन पर बहुत असर नहीं है। संसद की स्थायी समिति ने कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को सुझाव दिया है कि एक ऐसे तंत्र का गठन करे, जो अधिकारियों द्वारा पेश किए गए आय और संपत्ति के ब्यौरों की जांच करे और उनकी वास्तविक कमाई का खुलासा करे। प्रथम दृष्टया यह सुझाव अच्छा है, अगर ऐसा कोई तंत्र बनता है, तो शायद नौकशाहों के भ्रष्ट आचरण पर कुछ लगाम लगे। मगर उस नियामक तंत्र में भी जो अधिकारी-कर्मचारी होंगे, उनका आचरण कितना पारदर्शी होगा, इसका कैसे दावा किया जा सकता है। नौकरशाहों को शह राजनीतिक नेतृत्व से मिलती है। फिर, ऐसा नहीं कि अधिकारियों के भ्रष्ट आचरण पर नजर रखने के लिए पहले से तंत्र नहीं है। कुछ जगहों पर खुद ब्यूरोक्रेट्स ने भी भ्रष्ट अधिकारियों पर नजर रखने के लिए अलग से तंत्र तैयार कर रखा है, जैसे उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक अधिकारियों का संघ हर साल भ्रष्ट अधिकारियों की सूची जारी करता है। मगर इन सबके बावजूद उनके आचरण में कोई बदलाव नजर नहीं आता। मौजूदा केंद्र सरकार पिछली सरकारों के समय हुए भ्रष्टाचारों की पोल खोलने के इरादे से जांचों का सिलसिला चला रही है। अगर सचमुच भ्रष्टाचार खत्म करना है, तो एक ऐसे तंत्र का गठन करने पर विचार करना चाहिए, जो भ्रष्टाचार के इस तंत्र को खत्म कर सके। जब तक ऐसी व्यवस्था वजूद में नहीं आती है भ्रष्टाचार पर लगाम कसना आसान नहीं होगा। सरकार के दावे खोखले ही साबित होंगे। आज देश की सरकारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है राजनेताओं, अफसरों और प्रभावशाली लोगों द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार। इन्हीं लोगों के वजह से देश के अंदर और बाहर पर्याप्त मात्रा में काला धन का निर्माण हो चुका है और इन्हीं कारणों से देश और राज्य सरकारें कर्जदार है।

यह लेखक के विचार हैं

किसान मूंग फसल को सरकारी समर्थन मूल्य पर खरीदने के लिए सड़कों पर उतरे

मूंग खरीदी शीघ्र चालू नहीं हुई तो गांव-गांव जलाएंगे सरकार का पुतला

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

मिनी पंजाब के कहलाने वाला नर्मदा पुरम जिले में धन और गेहूं की तो बम्फर पैदावारी होती है। कुछ सालों से किसानों का रुख गर्मियों में मूंग की फसल की ओर हुआ जिसके लिए तवा डैम से किसानों को पानी भी दिया गया। जिले का किसान जहां पर गर्मी के दिनों में इतने हाई टेंपरेचर पर लोग कुलर और ऐसी में आराम करने का समय रहता है वही किसान इस चिलचिलाती धूप में खेतों में मेहनत करते हुए दिखाई देता है। इतनी मेहनत करने के बाद मूंग की फसल को पैदा करने के बाद मजबूरी में अब किसान अपनी फसल को सरकार से समर्थन मूल्य पर खरीदने के लिए सड़कों पर उतर आया है।

किसानों ने प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी मूंग की खेती की है। मूंग की फसल पकने को तैयार है लेकिन सरकार ने किसानों से समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी के लिए अभी तक कोई आदेश जारी नहीं किए हैं। जिससे किसानों के सामने मूंग विक्रय को लेकर एक बड़ी समस्या खड़ी हो गई। जिसके चलते भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) मध्यप्रदेश के द्वारा 21

जून को को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिवनी-मालवा के माध्यम से आपको ग्रीष्मकालीन मूंग की खरीदी शीघ्र प्रारंभ करवाने की एक सूत्री मांग को लेकर एक ज्ञापन पत्र प्रेषित किया गया था। जिस पर आज दिनांक तक मध्यप्रदेश की लोकप्रिय और किसान हितैषी सरकार द्वारा कोई निर्णय नहीं लिया गया है। इससे पूरे किसान समाज में भारी आक्रोश है। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) मध्यप्रदेश जिला नर्मदापुरम के द्वारा आपके सिवनी-मालवा प्रवास के दौरान अपनी बात रखने के लिए आपसे मुलाकात का समय मांगा गया था परन्तु आपकी व्यस्तता के कारण समय नहीं दिया गया था। सोमवार को फिर मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन नायब तहसीलदार कीर्ति प्रधान को सोपा गया इस ज्ञापन पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री से पुनः अनुरोध है कि किसानों की ग्रीष्मकालीन मूंग खरीदी की प्रक्रिया शुरू करने के संबंध में शीघ्र ही निर्णय लेकर खरीदी आदेश जारी करें। किसान हितैषी सरकार द्वारा किसान की मांगों पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लेना आश्चर्यजनक है। किसान बहुत चिंतित हैं। यदि किसान हित में शीघ्र ही कोई निर्णय नहीं लिया जाता है तो भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) मध्यप्रदेश सभी जिलों में गांव गांव में आंदोलन और मध्यप्रदेश शासन का पुतला दहन कर अपनी मांगों के समर्थन मे विरोध प्रदर्शन करना प्रारंभ करेगा।शीघ्र ही निर्णय नही लिया जाता है तो अपने ट्रैक्टर के साथ भोपाल कूच करेगा इसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस दौरान संतोष पटवारे मध्य प्रदेश (भारतीय किसान यूनियन प्रदेश उपाध्यक्ष)राजेश जाट (जिला अध्यक्ष भा. कि. यूनियन)संतोष वर्मा (जिला उपाध्यक्ष) राजनारायण रघुवंशी (जिला सह महामंत्री) राजकुमार पटेल (तहसील उपाध्यक्ष)चंद्रप्रकाश यादव (बैंक, मोरान परियोजना) महेश पटेल मनीष गुर्जर (तहसील महामंत्री) विकास पटेल (जिला अध्यक्ष किसान विंग आम आदमी पार्टी) सहित अन्य किसान उपस्थित थे।

किसानों की मूंग खरीदी को लेकर कांग्रेस उतरी मैदान में

सिवनी मालवा सोमवार के दिन कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओ ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए तहसील कार्यालय पहुंचे। उन्होंने किसानों की मूंग खरीदी को लेकर एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम का नायब तहसीलदार को सोफ़ा जिसमे मांग की गई है कि देश के विभिन्न जिलों में ग्रीष्मकालीन मूंग की फसल कटकर

तैयार है। किसान अपनी उपज को खलिहानों में संग्रहित कर सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। परंतु अब तक शासन द्वारा मूंग की खरीदी न तो प्रारंभ की गई है और न ही इस संबंध में कोई स्पष्ट घोषणा की गई है। लगातार वर्षा की संभावना के कारण फसल के खराब होने का गंभीर खतरा बना हुआ है। इस स्थिति में किसान बेहद संकटग्रस्त हैं। मंडियों में मूंग के भाव समर्थन मूल्य से बहुत कम हैं, जिससे किसानों को भारी घाटा हो सकता है। मजबूरी में उन्हें औने-पौने दामों पर अपनी मूंग की फसल बेचनी पढ़ेगी। यदि आगामी सात दिनों के भीतर मूंग की समर्थन मूल्य पर खरीदी प्रारंभ नहीं की जाती अथवा इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं होती है, तो कांग्रेस पार्टी द्वारा सिवनी मालवा सहित समूचे प्रदेश में उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी मध्यप्रदेश सरकार की होगी।

तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ नगर के जागरूक नागरिक आए सड़कों पर

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

तहसील मैं चल रहे भ्रष्टाचार और लापरवाही के ख़िलाफ़ सोमवार को जागरूक नागरिको सहित पूर्व नगर पलिका उपाध्यक्ष तहसील कार्यालय के सामने शिविर का आयोजन किया जिसमे लगभग 50 से अधिक लोगो ने शिकायत दर्ज कराई जिसमे अधिकांश शिकायते सीमांकन , रिकॉर्ड दुरस्ती , खसरे ऑनलाइन करने सहित बेमतलब नामांतरण खारिज करने और नक्शा खसरा और नाम गड़बड़ किए जाने की शिकायत की गई ।

पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रवीण अवस्थी ने बताया कि मंगलवार को एक ज्ञापन भी सोपा जाएगा फिलहाल हम एक सप्ताह तक लोगो की समस्याएं सुन एक डेटा तैयार करेंगे उसके बाद धरना प्रदर्शन सहित यदि जरूरत पड़ी तो न्यायालय की शरण मैं जाएँगे। यह लड़ाई आम जन की लड़ाई है मेरा सभी राजनीतिक पार्टियो , सामाजिक संगठनों सहित विभिन संघों से आग्रह है की वे आए और इस आयोजन का समर्थन करे।

क्या है नागरिकों की मांगे

1. हमारे जन समस्या समाधान शिविर मैं आए सभी आवेदनों का एक माह मैं निराकरण किया जाए .
2. हर माह एक शिविर का आयोजन राजस्व विभाग करे जिसमे जनप्रतिनिधियो को भी शामिल करे और आम जनता की समस्याओ का मौके पर निराकरण करे।
3. ऑफ़ लाइन खसरे को ऑनलाइन और खसरा अलग करने जैसे कार्य आवेदन करने के बाद 15 से 20 दिनों मैं निराकरण किया जाए
4. रजिस्ट्री नामांतरण बेमतलब खारिज न करे जैसे कॉल नहीं लगा , उपस्थित नहीं हुए , साथ बेचवाल को न बुलाया जाए पूरे मध्यप्रदेश मैं कहीं भी बुलाया नहीं जाता है केवल सिवनी मालवा तहसील मैं ही यह नियम बना रखा है
5. रजिस्डर्ड वसीयत होने पर बेवजह आवेदनकर्ता को परेशान न करे, और उसका नामांतरण करे ।
6. रिकॉर्ड दुरुस्ती के प्रकरण का निराकरण तीन माह मैं किया जाये
7. एसडीएम कार्यालय मैं लगे रजिस्ट्री नामांतरण भी 30 दिन की समय सीमा मैं किए जाए फिलहाल एक साल से अधिक के आवेदन पेंडिंग है
8. डायवर्शन का शुल्क जमा करने के बाद फॉर्म 13 और खसरा साथ मैं दिया जाये क्योंकि नियमानुसार पन्द्रह दिनों मैं डायवर्शन हो जाता है लेकिन फॉर्म 13 के लिए डिमांड की जाती है
9. व्यास कालोनी को शासकीय बना दिया गया है उसे हटाए
10. पटवारियों को सप्ताह मैं दो बार नए एसडीएम भवन मैं बैठाया जाये जहाँ आम जान उनसे मिल सके
11. कोई भी आदेश होने के बाद उसे अपडेट कराने के लिए पटवारी के पास जाना होता है और कई परेशानियां झेलनी पड़ती है इसलिए अब यह नियम बनाया जाये की आदेश होने के बाद पटवारी तीन दिवस मैं उसे अपडेट करे।

संभाग मुख्यालय पर जनता कार्यालय से समस्याओं का समाधान करेंगे सांसद चौधरी

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम-नरसिंहपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी का नर्मदापुरम संभाग मुख्यालय पर जनता कार्यालय का शुभारंभ होने जा रहा है। यह जानकारी रविवार को पत्रकार मिलन समारोह के अंतर्गत प्रेसवार्ता में सांसद श्री चौधरी ने यह जानकारी मीडिया को दी। अब वह आमजनों की शिकायतों के निराकरण के लिए कार्यालय में उपस्थित होकर समस्या का समाधान करेंगे, साथ ही पत्रकारों को उनकी समस्याओं के समाधान का भी उन्होंने आश्वासन दिया है। आमजन द्वारा की जाने वाली शिकायतों और उसके निराकरण के लिए सतत मॉनिटरिंग भी की जाएगी, इसके लिए उन्होंने एक टीम भी गठित कर दी है। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार राजीव अग्रवाल द्वारा प्रतिबंध के बावजूद नर्मदापुरम में शराब तस्करी व बिक रही अवैध शराब सहित बनखेड़ी में 300 बोरी मूंग सहित ट्रक पकड़े जाने का विषय भी रखा।

नपाध्यक्ष और सीएमओ ने किया मीनाक्षी चौक का निरीक्षण

कार्य जल्द पूरा करने और अतिक्रमण हटाने के दिए निर्देश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मीनाक्षी चौक के चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण और निर्माणाधीन माता रानी के मंदिर का नगरपालिका अध्यक्ष नीतू यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान निर्माण एजेंसी को जल्द और गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए गए। साथ ही मंदिर के आसपास दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाने के सख्त निर्देश भी दिए। सीएमओ द्वारा दुकानदारों को अपनी हद में रहकर कार्य करने के निर्देश दिए। पालिथिन पन्नी देख सीएमओ ने दुकानदार को हिदायत दी कि पालिथिन पन्नी का उपयोग बंद कर दें अन्यथा जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उपयंत्री प्रतिमा बेलिया, दीक्षा तिवारी और अतिक्रमण दल प्रभारी सुनील राजपूत उपस्थित रहे।

नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने बताया कि आगामी 5 जून को भव्य नए मंदिर का लोकार्पण कार्यक्रम आचार्य पं. सोमेश परसाई के आचार्यत्व में होगा। पं. श्री परसाई के मंत्रोच्चार के साथ माता रानी नए मंदिर में विराजमान होंगी। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण, आम नागरिक सभी शामिल होंगे।

मीनाक्षी चौक वासियों के लंबे

अरसे चली आ रही सुलभ शौचालय की मांग भी इसी दिन पूरी होगी। मीनाक्षी पर सुलभ काम्पलेक्स नहीं होने के कारण वहां यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इस समस्या के निदान के लिए नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया जिसमें सबसे पहले जमीन देखी गई। विगत छह माह में सुलभ काम्प्लेक्स बनकर तैयार हो गया। जिसका भी लोकार्पण 5 जून को किया जाएगा।

करीब 42 लाख की लागत से मीनाक्षी चौक का चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। नगर की यह बहुत बड़ी समस्या थी जिसका हमारी परिषद द्वारा सफलतापूर्वक निराकरण किया गया है। 5 जून को मीनाक्षी चौक का नजारा नए लुक में दिखेगा। दिव्य और भव्य मंदिर में मां राजराजेश्वरी विराजमान होंगी। नए मीनाक्षी चौक का और सुलभ काम्पलेक्स का लोकार्पण किया जाएगा। इस दिव्य और भव्य कार्य के साक्षी बनने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव ने सभी नागरिकों को सादर आमंत्रित किया हैं।

138 वर्ष पुराना है पचमढ़ी का राज भवन

नर्मदापुरम। सतपुड़ा की वादियों में बसा प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी अपने नैसर्गिक सौन्दर्य एवं प्राकृतिक झरनों के लिए तो जाना ही जाता है साथ ही पचमढी में स्थित राजभवन अपनें आप में एक ऐतिहासिकता समेटे हुए है। अंग्रेजो नें पचमढी को अपनी ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाया था। बाद में पूर्ववर्ती सरकारों ने भी इसे ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाया था। अंग्रेजी शासन काल में सन 1887 में राजभवन का निर्माण हुआ उस समय 91 हजार 334 रुपए की लागत से राजभवन का निर्माण किया गया था। राजभवन में स्थित बाल रूम का निर्माण कार्य 1910 में एवं काउंसिलिंग चैंबर दरबार हॉल 1912-13 में किया गया था। समय समय पर राजभवन को रेनोवेट भी किया जाता रहा है। पचमढी में स्थित राजभवन इतना ऐतिकहासिक है कि 80 के दशक में भी यहां कैबीनेट की बैठक आयोजित की गई थी। वर्तमान में 03 जून को मध्यप्रदेश शासन की कैबिनेट इसी ऐतिहासिक राजभवन में आयोजित की जाएगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में एवं अन्य मंत्रीगणों की उपस्थिती में कैबीनेट की बैठक आयोजित की जाएगी। कैबिनेट बैठक के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

भगत सिंह कॉलेज के छात्रों ने जल संरक्षण संवर्धन को लेकर चलाया अभियान

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में पर्यटन स्थल सतधारा पर पर्यटकों के बीच दिया जल संरक्षण का संदेश । 30 मार्च 2025 से चलाए जा रहे 90 दिवसीय जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत शहीद भगत सिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पिपरिया के समाज सेवा के विद्यार्थियों ने पर्यटन स्थल सतधारा पहुंचकर पर्यटकों के बीच पहुंचकर जल संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर जागरूकता अभियान चलाया। गिरते भूजल स्तर, अस्तित्व खोते कुएं-बावड़ी, दूषित होते जल स्त्रोतों को हमारे संरक्षण की महती आवश्यकता है। यदि सही समय पर हमने अपनी भूमिका नहीं निभाई तो आने वाली पीढ़ियों के लिए पीने के पानी की उपलब्धता भी एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आएगी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के आउटसोर्स कर्मचारी वेतन न मिलने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे

तेंदूखेड़ा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के आउटसोर्स सभी कर्मचारियो को 5 माह से वेतन नही मिलने के कारण अनिश्चित कालीन हडताल पर चले गए है। जिस कारण अस्पताल की अनेक कार्यो सहित एनआरसी के सभी कार्य प्रभावित होने लगे है। साथ ही आउट सोर्स कर्मचारी हड़ताल पर जाने से

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा का मैनेजमेंट पूरी तरह गड़बड़ा गया है। ऑनलाइन कार्य ,कुपोषण बच्चों की देखभाल एवं भोजन व्यवस्था, सफाई कार्य, हॉस्पिटल की सुरक्षा आदि कार्य प्रभावित हो रहे हैं क्योकि सभी आउटसोर्स कर्मचारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में निम्न पदों पर पदस्थ हैं जिसमें डाटा एंट्री ऑपरेटर, वॉड बॉय, सपोर्ट स्टाफ, कुक, केयरटेकर, सफाईकर्मी एवं सुरक्षाकर्मी शामिल है। ज्ञात हो कि सभी आउटसोर्स कर्मचारी पिछले 5 माह से वेतन नही मिलने के कारण परेशान थे। जिसके संबंध में मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी को आवेदन दिया था जिसमें उन्होंने बताया था कि जनवरी 2025 से अब तक पांच माह का वेतन समस्त आउटसोर्स कर्मचरियो को नहीं दिया गया है ना ही अप्रैल 2024 से बड़े हुए वेतन का एरियर्स मिला हैं। यदि हमारा वेतन और अप्रेल 2024 से बड़ी हुई वेतन का एरियर्स 2 जून 2025 तक नही मिला तो हम सभी अनिश्चित कालीन हड़ताल पर बैठेंगे। आउटसोर्स कर्मचारियों ने बताया हैं कि वेतन और एरियर्स के संबंध में कलेक्टर को दिनांक 26 अप्रेल और 27 मई 2025 को आवेदन दे कर अवगत करा चुके हैं। लेकिन इस संबंध में कोई कार्यवाही नही हो रही है। आउटसोर्स कर्मचारी हताश है परेशान है कोई उनकी गुहार सुनने वाला नहीं है जहां तक की कई कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 181 पर भी अपनी शिकायत दर्ज करा चुके हैं। लेकिन कोई सुनाई नहीं हो रही है। जिस कारण हताश होकर समस्त ऑउट सोर्स कर्मचारियों ने 2 जून 2025 को अहिंसा का रास्ता अपनाते हुए अनिश्चित कालीन हड़ताल पर बैठ गए है।

वनविभाग ने 30 हेक्टेयर भूमि से जेसीबी मशीन से हटाया अवैध कब्जा

तेंदूखेड़ा। तेंदूखेड़ा रेंज के वन विभाग के अमला ने तेंदूखेड़ा वीट के आरएफ 190 हरदुआं पांजी के जंगल की जमीन पर लगभग 30 हेक्टेयर भूमि पर काबिज लगभग 20 लोगो का जेसीबी मशीन से कब्जा हटाया गया है। जिसमें तार फिनिसिंग, टपरा टपरियां को अलग किया गया है। ज्ञात हो कि वन विभाग की भूमि पर लगभग 10 सालो से लोगो के द्वारा कब्जा कर खेती की जा रही थी। इस बार भी बोनी का काम शुरू कर दिया था। जिसे रोकने के लिए वन विभाग के द्वारा कब्जा हटाने की कार्यवाही की गई है। लोगो के द्वारा कई सालो से सेकड़ो एकड वन भूमि पर कब्जा कर खेती कर रहे है। जिसे हटाने की मुहिम वन विभाग के द्वारा चलाई जा रही है। साथ ही कब्जा हटाकर पौधो का रोपण किए जाने की भी तैयारी की गई है। तेंदूखेड़ा रेंजर मेघा पटैल ने बताया कि वन विभाग के द्वारा बड़े पैमाने पर जंगल की जमीनो पर हुए कब्जा को हटाने की कार्यवाही की जा रही है। जिसके चलते हरदुआं पांजी का कब्जा हटाया गया है। यहां पर भी कई सालो से लोगो के द्वारा वन विभाग की जमीन पर खेती की जा रही थी। लेकिन अब कब्जा हटाकर यहां पर पौधो का रोपण किया जाएगां। इसके अलावा वर्तमान में जंगल की जमीन पर अनेक स्थानो पर लोगो के द्वारा कब्जा किया हुआ है। उनका भी कब्जा हटाने की कार्यवाही की जाएगीं।

मेट्रो एंकर सर्वजन समाज जन सेवक संगठन की बैठक में लिए गए कई निर्णय

संगठन का मुख्य उद्देश्य जनहित एवं राष्ट्रहित में सर्वोपरि हो : दांगी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम स्थानीय नेहरू पार्क में सर्वजन समाज जन सेवक संगठन की बैठक वरिष्ठ समाजसेवी डी एस डांगी एवं प्रदेश महासचिव गया प्रसाद अहिरवार के कुशल नेतृत्व में मां सरस्वती का पूजन अर्चन करते हुए बैठक प्रारंभ की गई.कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रदेश सहसचिव ललित यादव ने बताया कि प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को संगठन की बैठक आवश्यक रूप से रखी जाएगी. बैठक को संबोधित करते हुए दांगी जी ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य जनहित एवं राष्ट्र हित में सर्वोपरि होना चाहिए. गया प्रसाद अहिरवार ने संबोधित करते हुए कहा कि पीड़ित परिवार के विषय में सरकार एवं शासन अगर नहीं सुनता तो उसके लिए हमारा संगठन पीड़ित व्यक्ति के साथ खड़ा रहेगा एवं तत्पर कार्रवाई करेगा. संभागीय अरुण दीक्षित ने कहा की राष्ट्रीय अध्यक्ष

नंदलाल यादव के कुशल नेतृत्व में संगठित यह संगठन निश्चित ही सफलता के के उस आयामको छूएगा जिसकी चाहत प्रत्येक पीड़ित परिवार को रहती है. बद्री प्रसाद कौरव एवं नंदकिशोर यादव ललित यादव के कौशल नेतृत्व में 24 अक्टूबर 24 में इस संगठन का आगाज करते हुए विशाल अधिवेशन नर्मदापुरम में आयोजित किया गया था जिसके तहत पिपरिया बाबई बैतूल इटारसी हरदा शिवनी के सदस्यों ने इस संगठन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए सदस्यता ग्रहण की बैठक में सदस्यों ने अपना परिचय दिया।

डॉ आदिल फ़ाज़लीने पाठ्य पुस्तकों पर जीएसटी नहीं लगाने का प्रस्ताव रखा अन्य सदस्यों ने भी अपने-अपनेसुझाव एवं प्रस्ताव रखें जिस पर सदन द्वारा सर्व सम्मति से निर्णय लेकर शीघ्र ही जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देने का निर्णय लिया गया मातृशक्ति ने भी अपनी उपस्थिति देते हुए कहा कि संगठन का जो भी आदेश एवंनिर्णय होगा हम सब बहने अपनी सहभागिता निभाएंगे बैठक में कर्मचारी कांग्रेस के अध्यक्ष ओमप्रकाश मालवीय सपॉक्ससंघ के अध्यक्ष के एन त्रिपाठी नगर पालिका मजदूर संघ के अध्यक्ष आरके वर्मा ओपी रावत सिख समाज प्रमुख डॉक्टर सुरेंद्र जीत सिंह सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच के कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद अकरम खान डॉ मयंक तोमर आशीष तिवारी जयशंकर तिवारी हेमंत शर्मा के साथ अन्य सदस्य उपस्थित हुए. कार्यक्रम का

मंडी व्यापारियों की चेतावनी और समस्याएं दूर करने में जुटा प्रशासन

सिरोंज। शनिवार को थोक अनाज तिलहन व्यापार संघ ने मंडी में व्याप्त समस्याओं को लेकर मंडी सचिव के नाम आवेदन कार्यालय में देते हुए इन्हें मंडी शासन को तीन दिनों के अंदर समस्याओं को दूर करने का अल्टीमेट दिया था नहीं तो डाक नीलामी बंद करने की चेतावनी दी थी। हमारे संवाददाता ने व्यापारीगण और किसानों की परेशानी से संबंधित खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था इसके बाद सोमवार को नायब तहसीलदार, मंडी सचिव, नगर पालिका स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैना भी अमले के साथ पहुंचे और पुराने तोल परिसर से पानी निकासी की समस्या के समाधान के लिए धरातल पर कार्य करवाया है। इसके अलावा कर्मचारियों को बढ़ाने साफसफाई से लेकर अन्य समस्याओं को दूर करने के प्रयास भी मंडी प्रशासन ने करते हुए व्यापारियों को ठोस आश्वासन दिया है। सोमवार को तेज गति से कई कार्य करवाए गए इसके बाद कुछ बदलाव मंडी में देखने को मिले वहीं बरसाती पानी निकालने के इंतजाम नहीं होने से किसान और व्यापारियों को नुकसान होता है गोदाम में पानी भरने से इनकी फसल खराब हो जाती है ।

रघुवंशी समाज ने मुख्यमंत्री के नाम, नायब तहसीलदार को दिया ज्ञापन

सिरोंज। सोमवार को रघुवंशी समाज जनों ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नाम संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार विकास अग्रवाल को देते हुए नव विवाहिता पति पत्नी की तत्परता से खोजबीन करने के संबंध में देते हुए कहा कि इंदौर निवासी राज रघुवंशी और पत्नी सोनम रघुवंशी यहां से हनीमून मनाने के लिए इंदौर से होते हुए गुवाहाटी के शिलांग गए थे । वहीं से 23 मई से लापता हो गए थे।इनकी स्कूटी पहले ही मिल चुकी है। दोनों पति-पत्नी की जानकारी नहीं करवाने के लिए मुख्यमंत्री से रघुवंशी समाज ने मांग करते हुए कहा कि मेघालय सरकार से बातचीत करके लापता राजा रघुवंशी और सनम रघुवंशी की शीघ्रता से तलाश करवाई जाए तथा पता लगाने में यथासंभव सहायता करें। हम सब की आशा ओर उम्मीद है कि हमारी मदद करेंगे इस दौरान बड़ी संख्या में समंजन मौजूद। वहीं देर शम को सोशल मीडिया जानकारी प्राप्त हुई कि राजा रघुवंशी का सब मिल चुका है पर सोनम रघुवंशी की जानकारी नहीं मिल सकी है। दस दिन बाद राजा का शव शिलांग के डबल डेकर रूट के पास एक खाई में मिला इसकी जानकारी लगते ही परिवार में शोक का फैल गया है।

राष्ट्रीय गीत से शुरु किया कार्यों का संपादन

सिरोंज। विदिशा प्रत्येक माह की पहली तारीख को शासकीय कार्यालयों में राष्ट्रीय गीत का आयोजन किया जाता है, तत्पश्चात कार्यों का संपादन शुरू होता है। कलेक्टर अंशुल गुप्ता, अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया की उपस्थिति में आज कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रीय गीत का गायन हुआ, इसके उपरांत ही शासकीय कार्यों की शुरूआत हुई। इस मौके पर संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर के अलावा विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी राष्ट्रीय गीत के गायन में सहभागिता निभाई।

आरएसएस द्वारा आयोजित संघ शिक्षा वर्ग का प्राकट्योत्सव कार्यक्रम सम्पन्न

संघ शिक्षा वर्ग के समापन पर सैकड़ों स्वयंसेवकों की एकरूप प्रस्तुति, सनातनी हिन्दू समाज उमड़ा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 15 दिवसीय संघ शिक्षा वर्ग का समापन रविवार को नगर के एलबीएस कॉलेज मैदान में भव्य प्राकट्योत्सव कार्यक्रम के साथ हुआ। इस अवसर पर हजारों की संख्या में हिन्दू समाज के नागरिक उपस्थित हुए और संघ के अनुशासन, एकता तथा संस्कृति के विराट स्वरूप को साक्षात देखा। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम् गान और ध्वजारोहण से हुआ। इसके पश्चात शिक्षार्थियों ने व्यायाम योग, दंड युद्ध, संचलन और गीतों के माध्यम से संघ की वैचारिक और शारीरिक प्रशिक्षण परंपरा का प्रदर्शन किया। वहीं इस दौरान मंच पर प्राकट्योत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सनकादिक आश्रम के पूज्य महंत श्री 1008 ईश्वर दास जी महाराज एवं मुख्य वक्ता प्रांत सह संघचालक डॉक्टर राजेश सेठी मौजूद रहे। वही इस प्राकट्योत्सव कार्यक्रम में हजारों की संख्या में शामिल हुए हिंदू समाज के लोगों एवं सयंसेवकों को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता प्रांत सह संघचालक डॉक्टर राजेश सेठी ने कहा संघ भारत की आत्मा से जुड़ा हुआ संगठन है। यह जाति, भाषा और वर्ग से ऊपर उठकर समरस समाज के निर्माण की ओर अग्रसर है। राष्ट्र को सशक्त बनाने के लिए हमें घर-घर संघ के विचार पहुँचाने होंगे। वही उन्होंने कहा कि संघ का उद्देश्य समाज में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और हिन्दू शक्ति के जागरण को पुनर्स्थापित करना है। समाज का हर वर्ग संघ की इस यात्रा में सहभागी बन रहा है। वही उन्होंने कहा कि समाज में समरसता, आत्मनिर्भरता, सांस्कृतिक जागरण, पर्यावरण संरक्षण एवं राष्ट्रभक्ति जैसे पांच बिंदुओं पर व्यापक परिवर्तन की आवश्यकता है। जब तक व्यक्ति, परिवार, समाज, राष्ट्र और संपूर्ण मानवता के स्तर पर यह परिवर्तन नहीं होगा, तब तक सशक्त भारत का निर्माण संभव नहीं है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कार्य करते हुए स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता देना चाहिए। साथ ही पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में विधायक उमाकांत शर्मा सहित बड़ी संख्या में नागरिकगण मौजूद रहे, सभी ने वक्ता के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और पंच परिवर्तन के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लिया।

स्वयंसेवकों ने लिया 15 दिनों का गहन प्रशिक्षण

संघ शिक्षा वर्ग के अंतर्गत 15 दिनों तक सुबह 4:30 बजे से रात्रि 10:30 बजे तक शिक्षार्थियों को विविध सत्रों में शारीरिक अभ्यास, बौद्धिक वर्ग, अनुशासन और राष्ट्र चिंतन की शिक्षा दी गई। यह वर्ग संघ की प्राथमिक शाखा से जुड़े नए कार्यकर्ताओं को संस्कारित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। जिसमें मध्य भारत प्रांत करीब 19 जिलों के 383 स्वयंसेवकों ने भाग लिया था। प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाला यह शिक्षा वर्ग संघ कार्यकर्ताओं के जीवन में नये संस्कार भरने, विचारधारा को स्पष्ट करने और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करने का कार्य करता है।

संघ की बढ़ती स्वीकार्यता

संघ शिक्षा वर्ग और प्राकट्योत्सव जैसे आयोजनों के माध्यम से आरएसएस समाज में अपनी भूमिका और कार्यपद्धति को अधिक स्पष्ट रूप से सामने ला रहा है। कार्यक्रम ने यह दिखाया कि संघ केवल शाखा तक सीमित नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की दीर्घकालिक प्रक्रिया का हिस्सा है। वही इस प्राकट्योत्सव कार्यक्रम में डॉक्टर, व्यापारी, शिक्षक, किसान, महिलाएं और युवा वर्ग के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे। अनेक लोगों ने पहली बार संघ की प्रत्यक्ष झांकी देखी और इसे अनुशासन और आत्मबल की मिसाल बताया।

एकरूपता और अनुशासन बना आकर्षण

स्वयंसेवकों ने समवेत घोष, सूर्यनमस्कार, दंड युद्ध और योगाभ्यास की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। एक साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहे स्वयंसेवकों की एकरूपता ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। संघ गीत और बौद्धिक संबोधन ने कार्यक्रम को प्रेरणादायक आयाम दिया। वही संघ द्वारा की गई व्यवस्थाओं को देख कर भी लोग अचंभित रह गए क्योंकि हजारों की संख्या में पहुंचे नागरिकों की व्यवस्था के लिए संघ गणवेश में मौजूद स्वयंसेवक अलग-अलग व्यवस्था में थे, लेकिन जिसे जो व्यवस्था दी गई थी उसे पूरी ईमानदारी के साथ करता हुआ दिखाई दिया। जिससे कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की कोई अवस्था देखने को नहीं मिली पूरा कार्यक्रम एक मिसाल बन गया। क्योंकि ट्रैफिक व्यवस्था, जल व्यवस्था, चाय बिस्किट, बैठक व्यवस्था, मंच व्यवस्था, रंगोली, शौचालय व्यवस्था, स्वच्छ परिसर सहित तमाम तरह की व्यवस्थाओं के लिए प्रशासनिक स्तर से कोई मदद नहीं ली गई, स्वयंसेवकों ने स्वयं खड़े होकर पूरा मोर्चा संभाला।

निराश्रितों को भोजन वितरण एवं वृक्षारोपण कर पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा का पुण्य स्मरण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व.लक्ष्मीकांत शर्मा की चतुर्थ पुण्यतिथि रविवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सहयोग संस्था के सहयोग से प्रतिदिन टॉकीज चौराहे पर गरीब निराश्रितों होने वाले प्रांगण में भोजन का वितरण किया गया। इसके पूर्व सभी कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित जनमानस ने पूर्व मंत्री शर्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके उपरांत भाजपा के यह सभी कार्यकर्ता फल वितरण करने शासकीय चिकित्सालय पहुंचे। अस्पताल के विभिन्न वार्डों में भर्ती मरीजों को उपस्थित कार्यकर्ताओं ने फल एवं बिस्कुट का वितरण किया। वहीं शाम को सभी कार्यकर्ता एक बार फिर से एकत्रित होकर मां आश्रय स्थल वृद्धाश्रम पहुंचे। इस वृद्धाश्रम में शाम के समय बेसहारा बुजुर्गों को भोजन वितरण किया जाता है। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता हरीबाबू भार्गव ने पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा का स्मरण करते हुए कहा कि वह सच्चे अर्थों में जन थे उन्होंने अपने दौर में सिरोंज लटेरी क्षेत्र में विकास की ऐसी इबारत लिखी हे जिसे मिटा पाना नामुमकिन है। अपने सरल हृदय,मिलनसारिता एवं सबके सुख दुख में आगे बढ़कर सहयोग करने की शैली से उन्होंने जनता के हृदय में एक अपना स्थान हासिल किया है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी श्रद्धांजलि के आयोजन संपन्न हुए। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नपाध्यक्ष मनमोहन साहू,नपा उपाध्यक्ष मनोज शर्मा, पारस तारण, सुमंत मित्तल, हरिचरण अहिरवार, राकेश पालीवाल, टीकाराम शाक्य, बलजीत यादव, जगदीश मालवीय, जितेंद्र यादव सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा की पुण्यतिथि पर मोक्षधाम सेवा समिति ने मुक्तिधाम परिसर में वृक्षारोपण कर मनाई। मुक्तिधाम परिसर में प्रत्येक रविवार को श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया जाता है जिसके लिए अनेक नागरिक स्वप्रेरणा से यहां पहुंचते हैं। रविवार को उनकी चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर समिति द्वारा तीन आम तथा एक पीपल सहित चार वृक्षों का रोपण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी श्रमदानियों ने स्व.लक्ष्मीकांत शर्मा का स्मरण करते हुए उनके चित्र के समक्ष श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर समिति के सदस्य सचिन शर्मा ने कहा कि हमारी समिति ने विधायक उमाकांत शर्मा के मार्गदर्शन में पूर्व मंत्री जी के स्वच्छ सिरोंज ग्रीन सिरोंज की संकल्पना को सार्थक करने के लिए इस मुक्तिधाम को जनसहयोग से सुव्यवस्थित करने का प्रयास कर रहे है। आज समिति के सदस्यों ने वृक्षारोपण करने के साथ समूचे प्रांगड़ में रहने वाली चींटियों के भोजन के लिए चुन की व्यवस्था की है । उन्होंने कहा कि आकस्मिक परिस्थितियों में जान बचाने के लिए आवश्यक रक्त की उपलब्धता के लिए उनकी स्मृति में गठित लोक कल्याण न्यास के तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन भी हम सब मिलकर करते हैं लेकिन इस बार शहर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का बड़ा आयोजन होने के कारण विशाल स्तर का सामूहिक रक्तदान शिविर का आयोजन होना संभव नहीं हुआ है लेकिन सिरोंज लटेरी के कार्यकर्ताओं ने स्वप्रेरणा से श्रद्धांजलि व अन्य कार्यक्रम गांव गांव में आयोजित किए है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से रामप्रकाश साहू,राकेश भार्गव,धीरज मैना,शेरसिंह भदौरिया, नरेश पाटीदार,श्याम साहू, सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे।

लक्ष्मीकांत शर्मा 1993 से 2013 तक लगातार 4 बार सिरोंज लटेरी से विधायक रहे। मध्यप्रदेश के कद्दावर मंत्रियो में उनकी गिनती होती थीं स जनसंपर्क, संस्कृति, उच्च शिक्षा, खनिज, धर्मस्व आदि विभागों के मंत्री रहते हुए उन्होंने अपनी पहचान बनाई स आज भी सिरोंज लटेरी की जनता उन्हें याद करती है स उनके कराये विकास कार्यो से क्षेत्र की सूरत बदल गई, पहले सिरोंज को कालापानी की संज्ञा दी जाती थी स यूनिवर्सिटी, पोलिटेक्निक कॉलेज, आई टी आई, गांव गांव तक सड़के ओर स्कूल, सिचाई के लिए कई डेम आदि उनके यादगार कार्य हैं।

कृषि विस्तार अधिकारी ने मक्का की 10 दुकानों से सैंपल लिए

महंगे दामों पर मिल रहे खाद बीज की कमी कब होगी दूर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सोयाबीन की खेती में हर बार नुकसान हो रहा था उसके विकल्प के तौर पर इस बार मक्का की खेती करने के लिए अधिकांश किसान ने रुख किया है । सस्ते दामों पर खाद बीज नहीं मिलने से उनकी मुश्किलें जरूर बढ़ गई है। मंगा अधिक होने का फायदा अधिकांश दुकानदारों द्वारा ने उठाते हुए महंगे दामों पर बीज बेचने का कार्य किया जा रहा है। खाद की भी किल्लत हो रही है। इस बात की जानकारी होने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं इस वजह से इनकी मनमानी जा रही है। सोमवार को कृषि विस्तार अधिकारी वीरेंद्र मालवीय ने 10 दुकानों से मक्का के सैंपल जांच के लिए इन दुकानों से लिए हैं जिनको लैब में जांच के लिए भेजा जाएगा उसके बाद रिपोर्ट आएगी तब तक बोनी हो जाएगा रिपोर्ट आने के बाद भी प्रशासन कुछ नहीं कर पाएगा इधर कृषक जरूर गड़बड़ बीज निकलने पर परेशान हो जाएंगे इनके सैंपल तो बहुत पहले हो जाना चाहिए थे। वहीं ज्यादा कीमतों पर बीज बेचने की कोई जांच नहीं की जा रही है इस वजह से इनके हौसले बुलंद है।

सोयाबीन का विकल्प मान रहा है मक्का

दूसरी ओर सोयाबीन की खेती करने से कृषकों को हर साल घाट हो रहा है । इसके चलते मक्का के रकबे में भारी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है जिस हिसाब से किसान तैयारी कर रहे हैं उस हिसाब से मक्का 60: भूमि में लगाने की संभावना लग रही है।

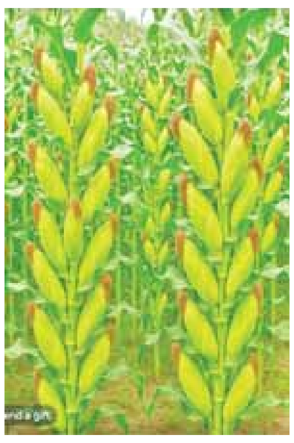

मांग बढ़ते ही दामों वृद्धि

जैसे-जैसे फसल लगाने का समय नजदीक आ रहा और मांग में वृद्धि हो रही है उस हिसाब से दामों में तेजी देखने को मिल रही है। सोमवार को ही?50 की 100 बढ़ोतरी अधिकांश बीज विक्रेताओं ने कर दी । किसानों का रूझान मक्का पर बढ़ते ह इन दिनों बाजार में मक्का की अलग-अलग वैरायटी की बिक्री भी जोरों पर हो रही है कुछ दुकानदारों के द्वारा नकली बीज भी किसानों को ठिकाने लगाया जा सकता है। वहीं कृषि विस्तार अधिकारी वीरेंद्र मालवीय ने 10 दुकानों से मक्का के सैंपल जांच के लिए लिए गए हैं इनको लैब में जांच हेतु भेजा जाएगा वहां से उनकी रिपोर्ट आएगी उसके बाद ही आगे कोई कार्रवाई कृषि विभाग कर पाएगा इधर किसानों द्वारा कई दिनों से बीज लेने का काम किया जा रहा है जैसे-जैसे मांग हो रही है उस हिसाब से दामों में भी तेजी देखने को मिल रही है, इसके चलते किसानों को या डर भी सता रहा है कि जब बोनी प्रारंभ होगी उस दौरान और भी अधिक दाम बढ़ सकते हैं इसके चलते अधिकांश किसान अभी से बीज लेकर घरों में रख रहे हैं। खाद लेने के लिए भी मेला लग रहा है इसी बात का ज्यादातर विक्रेता लाभ उठा रहे है।

400 से 500 रुपए प्रति किलो बेच रहे हैं बीज

वैसे ही मक्का का बीज किसानों को 400 से लेकर 500 रुपए किलो तक हाइब्रिड बीज अलग-अलग कंपनियों का मिल रहा है। जबकि मक्का का सरकारी समर्थन मूल्य 2400 रुपए के करीब सरकार ने तय किया है। वहीं हाइब्रिड बीज 40 से 50 हजार रुपए कुंटल मिल रहा है। उसको खरीदने में भी कई किसानों को पसीने आ रहा है इसके अलावा डीएपी यूरिया खाद के लिए भी किसानों को परेशान होना पड़ रहा है।

मेट्रो एंकर

विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत किसानों को वितरित किए गए मृदा स्वास्थ्य कार्ड

नरवाई ना जलाने, मिट्टी व पर्यावरण को होने वाले नुकसान के बारे में बताया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा जिले मे विकसित कृषि संकल्प अभियान के दौरान किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग एवं अन्य सभी विभागों के द्वारा विकासखण्ड विदिशा के ग्राम देवखजुरी, खेरुआ हाट तथा लश्करपुर में रविवार को किसान वैज्ञानिक संवाद आयोजित किया गया।

मृदा वैज्ञानिक डॉ. आरएस चौधरी ने किसानों को बताया कि फसलों के लिए संतुलित उर्वरकों का उपयोग मृदा परीक्षण रिपोर्ट के अनुसार ही करना चाहिए, इनके द्वारा किसानो को खेत की नरवाई ना जलाने की शपथ भी दिलाई गई तथा नरवाई जलाने से मिट्टी व पर्यावरण को होने वाले नुकसान के बारे में बताया। खरीफफसलों के लिए आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी साथ ही साथ सरकारी योजनाओं और नीतियों की जानकारी से अवगत कराया। साथ में कृषि वैज्ञानिक श्री रंजीत सिंह राघव ने किसानों को जानकारी दी कि पोटाश उर्वरक का फसलों में महत्त्व तथा सही बीज दर एवं फसलों में रोगों की पहचान एवं कीटों के नियंत्रण में सहायक होती है तथा उन्नत तकनीकों व योजनाओं की जानकारी दी साथ ही साथ प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया।

नवीन किस्मो, फसल में आने वाले रोग कीट एवं रोकथाम की जानकारी दी, आईसीटी का उपयोग, डीएसआर, फसल विविधिकरण की नवीन तकनीकों से किसानो को अवगत कराया गया। खाद के वेकल्पिक नैनो यूरिया, नेनो डीएपी के उपयोग की अनुसंशा की।

किसानों को दी जानकारी

कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि सरपंच श्री भारत सिंह अहिरवार, तहसीलदार, एसडीओ, आत्मा परियोजना के बीटीएम श्री प्रदीप मालवीय तथा वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिकों द्वारा ग्राम देवखजुरी व खेरुआ हाट में छापखेडा के खेतों किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड में उर्वरक अनुसंशा की जानकारी दी तथा कार्डो किसानो को वितरण किया।

कृषि विस्तार अधिकारी केन्द्र खेरुआ हाट विशाल यादव एव कृषि विभाग के साथि कार्यकृम मे पहुंचे, कृषक बंधुओं, कृषि वैज्ञानिक तथा अधिकारी, कर्मचारियो का आभार व्यक्त किया।

आज का सबसे बड़ा सवाल.....

आईपीएल का 8वां चैंपियन कौन...

आईपीएल 2025 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। आज अहमदाबाद में इस सत्र का खिताबी मुकाबला पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला जाएगा। 10 टीमों के बीच 2 माह से अधिक चली क्रिकेट की रस्साकशी के बाद चारों तरफ यही सवाल की गूंज है कि कौन बनेगा इस ट्रॉफी का 8वां चैंपियन....18 साल के इतिहास में इस ट्रॉफी के सरताज का खिताब 7 टीमों के नाम दर्ज है। आज होनी वाली इस भिड़ंत की दोनों टीमों ने इतने सालों में एक बार भी खिताब नहीं जीता है। अब दोनों टीमें इस सूखे को खत्म करने के इरादे में है। आज के मैच को लेकर 18 नंबर के तमाम गणित को समायोजित कर जीत हार की भविष्यवाणी की जा रही है ,लेकिन क्रिकेट के खेल व खासतौर पर आईपीएल के आकलन में इस तरह बाजीगरी मैच के बाद ही सटीक कही जा सकती है। 2025 के 2 क्वालीफायर मैचों की बात करें तो फिर दोनों ही अलग अंदाज में खत्म हुए। एक ओर जहां बेंगलुरू ने पहले मुकाबले में पंजाब टीम को ही एकतरफा अंदाज में मात्र 25 ओवर के खेल में धूल चटा कर फाइनल में जगह बनायी। वहीं क्वालीफायर 2 में रोमांच का अलग ही नजारा देखने को मिला, जब पंजाब टीम ने मुंबई की दमदार गेंदबाजी के खिलाफ धमाकेदार बल्लेबाजी कर जीत दर्ज की।भले ही दोनों फाइनलिस्ट टीमों के बीच 4 दिन पहले खेल गया मुकाबला एकतरफा रहा हो,लेकिन इन टीमों के बीच आज रनों से भरपूर रोमांचक खिताबी जंग देखने को मिलेगी। इसकी वजह यह कि अहमदाबादक के मैदान में ज्यादातर मैच हाई स्कोरिंग रहे है। विश्व क्रिकेट के ज्यादातर खिताबी मुकाबलों में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर स्कोरबोर्ड प्रेशर का फायदा लेने का चलन है, लेकिन आईपीएल के खेल में नियम कायदे व परंपरा कुछ अलग हो ही है। आईसीसी वर्ल्ड टी 20 के नियमों से तनिक हटकर कुछ अलग अंदाज की नियमावली से खेले जाने वाले आईपीएल में टॉस जीत कर रन चेस करना टीमों को बेहतर विकल्प लगता है। मौजूदा दोनों फाइनलिस्ट टीमें ने भी खिताबी जंग में रन चेस कर ही जगह बनायी है। ऐसे में आज की खिताबी भिड़ंत में टॉस का किरदार भी बेहद अहम रहने वाला है,क्योंकि दोनों टीमों की असल ताकत उसकी बल्लेबाजी है। पिछले साल केकेआर की कप्तानी करते हुए खिताबी जंग जिताने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर ने आईपीएल में एक इतिहास तो रच दिया है। वह ऐसे पहले कप्तान बने है जिन्होंने तीन अलग-अलग टीमों को फाइनल में पहुंचाया है, अगर वह पंजाब को चैंपियन बना देते है तो फिर वह दो अलग अलग टीमों को चैंपियन बनाने वाले एकलौते कप्तान बन जाएंगे। पंजाब और आरसीबी ने अब तक कभी आईपीएल की ट्रॉफी नहीं जीती है, ऐसे में यह तय है कि अब टूर्नामेंट को एक नया मतलब 8वां चैंपियन मिलेगा। फैसला जो भी हो लेकिन आज का सबसे बड़ा सवाल तो पूरे दिन यही रहने वाला है कि आईपीएल 2025 का चैंपियन कौन.....

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

आईपीएल-2025: बेंगलुरू और पंजाब के बीच होगा आखिरी मुकाबला

18 का सूखा खत्म करने दोनों टीमें उतरेंगी मैदान में, विराट कोहली पर टिकी रहेंगी सभी की नजरें

अहमदाबाद, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स की टीम मंगलवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल के फाइनल में आमने-सामने होंगी तो उनका लक्ष्य यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतने का 18 साल का इंतजार खत्म करना होगा। सभी की निगाहें हालांकि हाल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली पर टिकी रहेंगी जो शुरू से आरसीबी से जुड़े होने के बावजूद अभी तक अपनी टीम को आईपीएल का चैंपियन नहीं बना पाए हैं।

आरसीबी और कोहली का यह चौथा फाइनल होगा। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले फाइनल मुकाबले में कोहली का समर्थन करने के लिए 18 नंबर की जर्सी पहने हजारों प्रशंसक नजर आ सकते हैं। पंजाब और मुंबई के बीच दूसरा क्वालीफायर बारिश से प्रभावित रहा था लेकिन फाइनल के दिन बारिश की कोई भविष्यवाणी नहीं है, लेकिन खेल समय में एक अतिरिक्त घंटा जोड़कर अवधि को 120 मिनट तक बढ़ाया गया है तथा फाइनल में एक रिजर्व दिन रखा गया है। आरसीबी ने अपनी पिछली समस्याओं को पीछे छोड़कर इस बार शुरू से लेकर अंत तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उसने पहले क्वालीफायर में पंजाब को आठ विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया और उनकी टीम अपने इसी प्रदर्शन को दोहराने के लिए प्रतिबद्ध होगी।

आरसीबी के लिए मुख्य स्तंभ रहे विराट कोहली

कोहली (614 रन) ने हर साल की तरह इस बार भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वह इस साल भी आरसीबी की बल्लेबाजी के मुख्य स्तंभ रहे। इस बार उन्हें अन्य खिलाड़ियों का भी अच्छा सहयोग मिला जिसने मुख्य अंतर पैदा किया। इस वर्ष कोहली अकेले ऐसे खिलाड़ी नहीं रहे हैं जिन पर सबका ध्यान केंद्रित रहा है, बल्कि उन्होंने चुपचाप आरसीबी को मजबूत करने का काम किया है। फिल साल्ट ने भारतीय सुपरस्टार का अच्छा साथ देकर आरसीबी को अच्छी शुरुआत दिलाई, जबकि मयंक अग्रवाल, कप्तान रजत पाटीदार और जितेश शर्मा बल्लेबाजी क्रम के भरोसेमंद खिलाड़ी हैं। टिम डेविड चोटिल होने के कारण आरसीबी के पिछले दो मैचों में नहीं खेल पाए इसलिए यह देखना बाकी है कि वह इस मुकाबले के लिए फिट हैं या नहीं। उन्होंने रोमारियो शेफर्ड के साथ मिलकर डेथ ओवरों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गेंदबाजी में शांत और धैर्यवान जोश हेजलवुड (21 विकेट) ने आरसीबी के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वह आईपीएल के वर्तमान सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में अभी चौथे स्थान पर है।

पंजाब के लिए दम दिखाएंगे अय्यर

दस टीमों की अंक तालिका के दूसरे हाफ में लगातार शीर्ष पर रहने वाली पंजाब किंग्स ने कप्तान अय्यर और कोच रिकी पोंटिंग की देखरेख में महत्वपूर्ण प्रगति की है। अय्यर (603 रन) के नेतृत्व में पिछले साल कोलकाता नाइट राइडर्स चैंपियन बना था। इस तरह से लगातार दूसरी बार आईपीएल फाइनल में पहुंचना एक ऐसे नेतृत्वकर्ता के रूप में उनकी क्षमताओं के बारे में बहुत कुछ कहता है जो इस प्रारूप में किसी भी अन्य की तरह ही अपने खिलाड़ियों को अच्छी तरह से संगठित करता है।

दोनों टीमें

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, फिल साल्ट (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, स्वास्तिक छिकारा, लियाम लिविंगस्टोन, क्रुणाल पंड्या, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, मनोज भंडागे, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, सुयश शर्मा, भुवनेश्वर कुमार, नुवान तुषारा, लुंगी एनगिडी, अभिनंदन सिंह, मोहित राठी, यश दयाल.

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), नेहल वढेरा, विष्णु विनोद (विकेटकीपर), जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), हरनूर पन्नू, पाइला अविनाश, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, हरप्रीत बराड़, अजमतुल्लाह उमरजई, प्रियांश आर्य, आरोन हार्डी, मुशीर खान, सूर्याश शेडगे, मिच ओवेन, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, विशाल विजयकुमार, यश ठाकुर, कुलदीप सेन, जेवियर बार्टलेट, प्रवीण दुबे, काइल जैमीसन।

जो रूट का शतक, इंग्लैंड ने श्रृंखला जीती

कार्डिफ। जो रूट की नाबाद 166 रन की शानदार पारी की बदौलत इंग्लैंड ने रविवार को सोफिया गार्डन्स में दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराकर श्रृंखला अपने नाम कर ली। वेस्टइंडीज की टीम कीसी कार्टी के 103 रन तथा कप्तान शाई होप (78) और सलामी बल्लेबाज ब्रेंडन किंग (59) के अर्धशतक के बावजूद 47.4 ओवर में 308 रन पर आउट हो गई, जिसके जवाब में इंग्लैंड ने सात गेंद शेष रहते हुए सात विकेट पर 312 रन बनाकर जीत दर्ज की।

इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दो रन पर दो विकेट गंवा दिए। इसके बाद एक समय उसका स्कोर पांच विकेट पर 133 रन था। रूट ने यहीं से विल जैक्स के साथ 121 गेंद पर 143 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। रूट ने अपनी पारी में 139 गेंद का सामना किया तथा 21 चौके और दो छक्के लगाए। विल जैक्स ने 49 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली, जिससे इंग्लैंड ने तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। रूट अपनी पारी के दौरान इयोन मोर्गन को पछाड़कर इंग्लैंड के लिए वनडे में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। रूट के 7,082 रन हो गए हैं, जबकि मोर्गन के नाम पर 6,957 रन दर्ज हैं।

गत चैंपियन अल्काराज चौथे दौर में, एलिना भी आगे बढ़ी

पेरिस, एजेंसी

गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम के पुरुष एकल के तीसरे दौर में बेन शेल्टन को शिकस्त देकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया जबकि महिला वर्ग में एलिना स्वितोलिना ने पिछले साल की उपविजेता जैस्मिन पाओलिनी को पराजित किया। दूसरे वरीय और चार बार ग्रैंडस्लैम चैंपियन अल्काराज ने शेल्टन पर तीन घंटे 19 मिनट तक चले मुकाबले में 7-6 (8), 6-3, 4-6, 6-4 से जीत दर्ज की। अब क्वार्टरफाइनल में अल्काराज का सामना अमेरिका के 12वें नंबर के खिलाड़ी टॉमी पॉल से होगा।

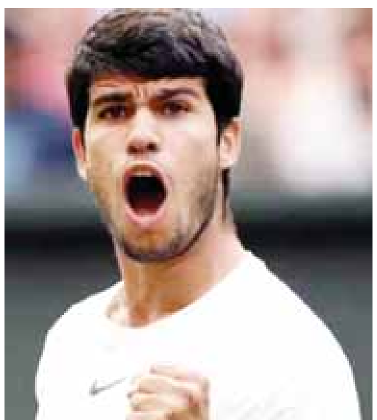

महिला वर्ग में 13वीं वरीय स्वितोलिना ने 2024 की उप विजेता पाओलिनी को 4-6, 7-6 (6), 6-1 से हराकर पांचवीं बार रोलां गैरां के क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई जहां उनका सामना तीन बार की गत चैंपियन इगा स्वियातेक से होगा। स्वियातेक ने 2022 विम्बलडन चैंपियन एलिना रिबाकिना को 1-6, 6-3, 7-5 से शिकस्त दी। महिला वर्ग में अन्य क्वार्टरफाइनल में नंबर एक आर्यना सबालेंका का सामना झेंग किनवेन से होगा। सबालेंका ने अमेरिका की अमांडा एनिसिमोवा को 7-5, 6-3 से हराया जबकि 2024 ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग ने लियुडमिला सैमसोनोवा को 7-6 (5), 1-6, 6-3 से मात दी।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

रेचल गुप्ता ने लौटाया मिस ग्रैंड इंटरनेशनल का क्राउन, लगाए सेक्सुअल हैरेसमेंट के आरोप

मिस ग्रैंड इंटरनेशनल 2024 जीत कर इतिहास रचने वालीं जालंधर की रेचल गुप्ता ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपनी आपबीती सुनाई है। ब्यूटी पेजेंट विनर ने दावा किया है कि उन्हें मिस ग्रैंड इंटरनेशल के खिताब से बेदखल नहीं किया गया है बल्कि उन्होंने खुद इसे लौटाया है। इसकी वजह वो अपने साथ होने वाले बुरे बर्ताव को बताती हैं। रेचल ने बताया कि वो क्राउन को वापस कर चुकी हैं। साथ ही उन्होंने ख्वाहू पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके साथ बदसलूकी की गई है। रेचल ने ऑर्गनाइजर्स पर सेक्सुअल और मेंटली हैरेसमेंट के गंभीर आरोप लगाए हैं।

रेचल ने कहा कि मेरे साथ बहुत गलत व्यवहार किया गया और गलत शब्दों का इस्तेमाल कर मुझे परेशान किया गया। उन्होंने एमजीआई के साथ हुए कॉन्ट्रैक्ट को लेकर कहा कि जो कॉन्ट्रैक्ट हुआ था मैं उसी तरह से कॉन्ट्रैक्ट के मुताबिक काम कर रही थी। लेकिन एमजीआई के मेंबर और सीईओ द्वारा मुझे परेशान किया गया और सेक्सुअल हैरेसमेंट की गई। यही नहीं मुझ पर दबाव भी बनाया गया। लेकिन मैं उनके आगे झुकी नहीं और क्राउन वापस कर दिया। अब कॉन्ट्रैक्ट को खत्म कर दिया गया है।

रेचल ने आगे बताया कि कॉन्ट्रैक्ट के मुताबिक उन्हें एक भी रुपया नहीं दिया गया है। जो भी दूसरी बातें सामने आ रही हैं वह सब एमजीआई द्वारा मनगढ़त बातें बनाई जा रही है। रेचल ने ऑर्गनाइजर्स पर बैड टच के भी गंभीर आरोप लगाए हैं। मीडिया से बातचीत में रेचल ने कहा कि उन्हें कपड़ों से लेकर रहन-सहन तक के खर्चे उन्होंने खुद किए हैं।

मेट्रो बाजार

इरॉल मस्क बोले- बीवायडी भारत में, फिर टेस्ला क्यों नहीं

नई दिल्ली। टेस्ला के सीईओ इलॉन मस्क के पिता इरॉल मस्क भारत में हैं। उन्होंने पीएम मोदी और इलॉन मस्क की पार्टनरशिप को दोनों के लिए फायदेमंद बताया। उनसे प्रधानमंत्री मोदी और इलॉन मस्क के बीच संबंधों पर सवाल किया गया था। एरॉल मस्क ने कहा, ÷उनके बीच बहुत अच्छी केमिस्ट्री है। प्रधानमंत्री मोदी को भारत के हितों का ध्यान रखना है, और इलॉन को टेस्ला के हितों का। मुझे यकीन है कि दोनों मिलकर ऐसा रास्ता निकालेंगे जो टेस्ला और भारत दोनों के लिए फायदेमंद हो। वहीं %ऑपरेशन सिंदूर% के बारे में पूछे

जाने पर इरॉल ने भारत का समर्थन किया। एरॉल मस्क 5 दिन के भारत दौरे पर हैं। वह अपनी विजिट के दौरान अयोध्या मंदिर भी जाएंगे। उन्होंने भारत सरकार की हालिया इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी को एरॉल ने टेस्ला के लिए सकारात्मक कदम बताया। उन्होंने कहा, ÷यह बहुत अच्छा विचार है। नई तकनीकों को बढ़ावा देने वालों के लिए रास्ते आसान करने चाहिए। नए वाहन और उपकरण विकसित करना आसान नहीं है, इसलिए उन्हें हर संभव मौका देना चाहिए।

टेस्ला की भारत में शुरुआत के बारे में पूछे जाने पर एरॉल ने कहा, ÷मुझे इस बारे में ज्यादा नहीं कहना चाहिए, क्योंकि टेस्ला एक पब्लिक कंपनी है। लेकिन भारत की जनसंख्या, ऊर्जा, और यहां के लोगों को देखते हुए, मुझे लगता है कि टेस्ला को यहां होना चाहिए।

तू मेरी मैं तेरा... फिल्म का फर्स्ट लुक जारी,

रोमांस में डूबे कार्तिक-अनन्या, 13 फरवरी को होगी रिलीज

फिल्म भूल भुलैया 3 से बॉलीवुड में तहलका मचाने के बाद अब कार्तिक आर्यन अपनी नई फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के साथ आने वाले हैं। यह एक रोमांटिक कॉमेडी होगी। फिल्म का टीजर पहले ही रिलीज हो गया है, अब फिल्म के प्रोड्यूसर करण जौहर ने इसकी रिलीज डेट भी फाइनल कर दी है। ये फिल्म 13 फरवरी 2026 (वैलेंटाइन डे वीकेंड) को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बता दें कि इस फिल्म में कार्तिक के साथ अनन्या पांडे लीड रोल में दिखाई देंगी। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे दूसरी बार ऑन स्क्रीन रोमांस करते हुए दिखाई देंगे। कार्तिक और अनन्या की नई फिल्म का फर्स्ट लुक आउट हो गया है फिल्म निर्माता करण जौहर ने सोशल मीडिया पर अपनी आने वाली फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी का फर्स्ट लुक शेयर किया है। करण ने फोटो शेयर करते हुए लिखा- प्यार में डूबा हुआ।। हमारे रे से मिलिए और उनकी रूमी (अनन्या पांडे) से परिचय करवाइए। करण ने जो फोटो शेयर की है, उसमें कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे एक दूसरे को किस कर रहे है। दोनों ने अपने लिप्स के आगे पासपोर्ट लगाया हुआ है। पोस्टर से साफ है कि ये एक रोमांटिक जॉनर मूवी होने वाली है। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी अगले वैलेंटाइंस वीक पर 13 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दूसरी बार साथ दिखेंगे दोनों

बता दें कि इस फिल्म के साथ कार्तिक और अनन्या दूसरी बार स्क्रीन शेयर करते हुए दिखाई देंगे। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे इस फिल्म से पहले पति-पत्नी और वो में साथ काम कर चुके हैं। जिसमें भूमि पेडनेकर भी अहम रोल में थीं। अब दर्शक एक बार फिर इन दोनों को स्क्रीन पर साथ देखने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। गौरतलब है कि कार्तिक आर्यन और करण जौहर के बीच 2021 में अनबन हुई थी। जिसकी वजह से कार्तिक को करण की फिल्म दोस्ताना 2 से बाहर कर दिया गया था।

भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर मई में तीन महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर मई में तीन महीने के निचले स्तर 57.6 पर आ गई। मुद्रास्फीति दबाव, कमजोर मांग और भू-राजनीतिक परिस्थितियां इसकी मुख्य वजह रहीं। सोमवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक मई में घटकर 57.6 हो गया जो अप्रैल में 58.2 था। यह फरवरी के बाद से परिचालन स्थितियों में सबसे कमजोर सुधार को दर्शाता है।

पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा संकुचन को दर्शाता है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि मई के आंकड़ों से भारत के विनिर्माण उद्योग में कारोबारी स्थितियों में एक और मजबूत सुधार का संकेत मिला है, लेकिन विस्तार की दर तीन महीनों में सबसे कम रही है। निगरानी कंपनियों ने वृद्धि को स्वस्थ घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय मांग के साथ-साथ सफल विपणन पहलों से जोड़ा। हालांकि, सर्वेक्षण में शामिल कंपनियों के अनुसार लागत दबाव, भयंकर प्रतिस्पर्धा और भारत-पाकिस्तान संघर्ष ने इस उछाल को सीमित कर दिया। एचएसबीसी के मुख्य भारतीय अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, भारत के मई के विनिर्माण पीएमआई ने इस क्षेत्र में मजबूत वृद्धि के एक और महीने का संकेत दिया, हालांकि उत्पादन एवं नए ऑर्डर में विस्तार की दर पिछले महीने की तुलना में कम रही। रोजगार वृद्धि में तेजी से नए शिखर पर पहुंचना निश्चित रूप से एक सकारात्मक विकास है। 'नौकरियों को मोर्चे पर, कंपनियों ने मई में अतिरिक्त कर्मचारियों को काम पर रखा जिससे नौकरी सृजन की दर एक नए रिकॉर्ड पर पहुंच गई।

पंजाब मेल, तेलंगाना एक्सप्रेस व दक्षिण एक्सप्रेस के यात्रियों के साथ झपटमारी

भोपाल आउटर के पास लुटेरे सक्रिय, 3 ट्रेनों के मुसाफिरों से मोबाइल झपटे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों में झपटमारी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। भोपाल रेलवे स्टेशन के आउटर पर चलती ट्रेन में यात्रियों के साथ मोबाइल झपटने की घटनाएं सामने आई है। ट्रेन के बाहर पटरी किनारे पहले से घात लगाकर बैठे झपटमारों ने पंजाब मेल, तेलंगाना एक्सप्रेस और दक्षिण एक्सप्रेस के यात्रियों के मोबाइल झपट लिए। जीआरपी थाना भोपाल ने सभी मामलों में प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पंजाब मेल के यात्री का मोबाइल झपटा

पुलिस के मुताबिक नर्मदापुरम निवासी शिवम सोनी विगत 29 मई को भोपाल से इटारसी की यात्रा पंजाब मेल एक्सप्रेस के पीछे के जनरल कोच में कर रहे थे। भीड़ अधिक होने की वजह से वह ट्रेन के गेट के पास बैठ गए। कॉल आने पर वह मोबाइल पर बात करने लगे। रेलवे स्टेशन भोपाल से करीब एक किमी दूर आउटर पर ट्रेन धीमी गति से चल रही थी। उसी दौरान नीचे खड़े किसी अज्ञात व्यक्ति ने शिवम के मोबाइल पर झपट्टा मारकर नीचे गिरा लिया और उठाकर फरार हो गया।

तेलंगाना एक्सप्रेस के यात्री से लूट

जीआरपी के मुताबिक नागपुर निवासी आदित्य राकेश ठाकरे विगत एक जून को नागपुर से मथुरा की यात्रा तेलंगाना एक्सप्रेस के जनरल कोच में कर रहे थे। कोच में भीड़ अधिक होने के कारण वह गेट के पास पायदान पर आकर बैठ गए। यात्रा के दौरान रेलवे स्टेशन भोपाल आने के दो मिनट पहले किसी अज्ञात व्यक्ति ने झपट्टा मारकर हाथ में रखा मोबाइल नीचे गिराया और उठाकर भाग निकला।

80 हजार का मोबाइल छीन ले गया

जीआरपी भोपाल के मुताबिक मोबाइल झपटमारी की घटना दक्षिण एक्सप्रेस के कोच बी-5 की है। विगत दो जून को फरियादी हैदराबाद से दिल्ली की यात्रा कर रहे थे। भोपाल स्टेशन आने से दो मिनट पहले वह ट्रेन के गेट पर आकर खड़े हो गए। मोबाइल उनके हाथ में था। तभी पटरी के पास नीचे खड़ा एक बदमाश ने झपट्टा मारकर मोबाइल छीन लिया और फरार हो गया। मोबाइल की कीमत 80 हजार रुपए बताई गई है। फरियादी ने थाना जीआरपी बीना में शून्य पर प्रकरण दर्ज कराया। वहां से डायरी जीआरपी थाना भोपाल भेजी गई है।

सुरक्षा में लापरवाही के चलते गई थी युवक की जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गुनगा स्थित एक फार्म हाउस के स्वीमिंग पूल में नहाते समय डूबने से हुई युवक की मौत के मामले में पुलिस ने संचालक के खिलाफ लापरवाही बरतने का केस दर्ज किया है। मर्ग जांच के दौरान खुलासा हुआ कि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने के कारण युवक नहाते समय पूल में डूब गया था। जानकारी के अनुसार अयान खान पुत्र तोफेल अहमद खान (20) कबीटपुरा में रहता था। बीती 29 मई को वह अपने एक दोस्त की बहन की शादी में शामिल होने के लिए सेमरी कला गुनगा स्थित विकेशन विला फार्म हाउस पहुंचा था। इस फार्म हाउस में स्वीमिंग पूल बना हुआ है। शाम करीब सात बजे अयान अपने दोस्तों के साथ नहाने के लिए स्वीमिंग पूल में उतरा था। इस दौरान वह पानी की स्लाईड के नीचे चला गया और डूब गया। दोस्तों ने उसे किसी तरह पूल से बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मर्ग जांच के दौरान पता चला कि फार्म हाउस के संचालक रिजवान खान ने शादी के लिए फार्म हाउस किराए पर दिया था, लेकिन स्वीमिंग पूल में नहाने के लिए लाईफ जैकेट और पानी में डूबने से बचने के लिए अन्य कोई सुरक्षा इंतजाम नहीं किए थे। इसी कारण अयान की नहाते समय डूबने से मौत हो गई। इस पर पुलिस ने फार्म हाउस संचालक के खिलाफ लापरवाही बरतने का मामला दर्ज कर लिया है।

जांच के बाद संचालक पर केस दर्ज

नाबालिग रिश्तेदार ने बालिका से छेड़छाड़ कर की मारपीट, केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया इलाके में रहने वाली एक बालिका के साथ उसके ही नाबालिग रिश्तेदार ने छेड़छाड़ की और विरोध करने पर मारपीट कर दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार इलाके में रहने वाली 11 साल की बालिका स्कूली छात्रा है। मोहल्ले में रहने वाला नाबालिग रिश्तेदार अक्सर उसे परेशान करता था। पिछले दिनों बालिका कहीं जा रही थी, तभी उसने बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़ लिया। बच्ची ने जब इसका विरोध किया तो लड़के ने उसके साथ मारपीट कर दी। पीड़िता ने घरवालों को घटना की जानकारी दी तो वह उसे लेकर थाने पहुंचे। पुलिस ने आरोपी नाबालिग के खिलाफ छेड़छाड़, मारपीट और पोक्सो एक्ट की धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है।

ऑटो की चपेट में आने से छात्र मौत

भोपाल। अर्जुनखेड़ी में रहने वाले 8वीं के छात्र की लोडिंग ऑटो की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना आठ मई की बताई जा रही है। मृतक अपने दोस्तों के साथ मंदिर से पूजा कर घर लौट रहा था। पीयूष कुशवाहा अर्जुन खेड़ी में रहता था। पिता किसान हैं। आठ मई की दोपहर को दोस्तों के साथ मंदिर पूजा करने गया था। वहां से लौटते समय पीछे से आए लोडिंग ऑटो ने पीयूष को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। यहां इलाज के दौरान शुक्रवार रात को उसकी मौत हो गई। पीयूष को टक्कर मारने वाले लोडिंग वाहन चालक को सड़क हादसे के बाद गिरफ्तार कर लिया।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईंटखेड़ी इलाके में डंपर की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। हादसे के समय बाइक चालक कहां जा रहा था, इसका खुलासा नहीं हो पाया है। फिलहाल पुलिस ने टक्कर मारने वाले डंपर की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार राजेश (28) एकता कालोनी निशातपुरा में रहते थे। बीती रात वह अपनी बाइक से ईंटखेड़ी गांव के पास स्थित यादव ढाबा के सामने से निकल रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे राजेश को गंभीर चोट आई। राहगीरों से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची एम्बुलेंस ने उन्हें इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अचानक ब्रेक लगाने पर डंपर में घुसी पिकअप इसी इलाके में एक डंपर चालक ने अचानक बीच रोड पर ब्रेक लगा दिये, जिससे पीछे चल रही पिकअप जाकर टकरा गई। इस हादसे में दो लोगों को गंभीर चोट आई है। जानकारी के अनुसार अशोक बगडावत (40) मक्सी रोड उज्जैन के रहने वाले हैं। अपने साथी धन्नालाल के पिकअप वाहन में वह सोयाबीन लेकर विदिशा गए थे। विदिशा में सोयाबीन उतारने के बाद दोनों लोग पिकअप लेकर वापस उज्जैन लौट रहे थे। ईंटखेड़ी स्थित बायपास मार्ग पर उनके आगे चल रहे डंपर के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे उनकी पिकअप डंपर से जाकर टकरा गई। इस हादसे में अशोक और धन्नालाल को चोट आई है।

अलग-अलग डंपरों ने तीन कारों को मारी टक्कर, तीनों कारें क्षतिग्रस्त

बाल-बाल बचे कार सवार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सूखी सेवनिया इलाके में सोमवार को अलग-अलग डंपरों ने तीन कारों को टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। हालांकि इन हादसों में कार सवार किसी को गंभीर चोट नहीं आई है। पुलिस ने दोनों डंपर चालकों के खिलाफ एक्सीडेंट का मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार अभिषेक गौतम (29) राजधानी पारस सिटी कालोनी, कोकता बायपास थाना बिलखिरिया में रहते हैं। सोमवार को वह अपने पिता संतोष गौतम को अपनी वैन्यू कार में बिठाकर बैरसिया से घर लौट रहे थे। दोपहर करीब पौने तीन बजे वह कल्याणपुर बायपास मार्ग स्थित हिमांशु वेयर हाउस के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार डंपर के चालक ने ओवरटेक करते समय उनकी कार में ड्रायवर साईड में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कार का ड्रायवर साईड तरफ का दोनो गेट, पीछे का बम्फर, आगे टायर के पास एवं ड्रायवर साईड का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। हादसे के चालक डंपर सड़क किनारे खड़ा करके भाग निकला। पुलिस ने चालक के खिलाफ केस दर्ज कर डंपर जब्त कर लिया है। डंपर ने दो कारों को मारी टक्कर इधर गंजबासौदा जिला विदिशा निवासी अपूर्व जैन (30) अपनी पत्नी और मां के साथ महिंद्रा कार एक्सयूवी से भोपाल आए थे। उसके बाद लालघाटी कोहेफिजा से वापस घर लौट रहे थे। रात करीब पौने दस बजे वह सूखी सेवनिया बायपास मार्ग स्थित प्रेम ढाबा के पास पहुंचे, तभी लांबाखेड़ा की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार डंपर चालक ने उनकी कार में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। उसके बाद चालक ने उन्हें ओवरटेक करते हुए आगे जा रही दूसरी स्विफ्ट डिजायर कार को भी पीछे से टक्कर मारी, जिससे वह कार भी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद चालक डंपर लेकर मौके से भाग निकला। पुलिस ने आरोपी डंपर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

टक्कर मारने वाले भारी वाहन की नहीं हुई पहचान

पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक पर दर्ज किया केस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईंटखेड़ी स्थित मीना चौराहे पर बाइक पर बैठे दो लोगों को टक्कर मारने वाले भारी वाहन का अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। हादसे के समय मृतक अपने तीन अन्य दोस्तों के साथ ढाबे से भोजन करने के बाद बाहर निकला था और घर जाने की तैयारी कर रहा था। जानकारी के अनुसार राजेश अहिरवार पुत्र जगन्नाथ अहिरवार (28) एकता नगर लांबाखेड़ा में रहता था और निशातपुरा स्थित एक निजी कालेज में नौकरी करता था। रविवार की रात वह अपने तीन अन्य दोस्तों के साथ मीना चौराहा स्थित यादव ढाबा पर खाने खाने पहुंचा था। रात करीब दस बजे चारों लोग खाना खाने के बाद बाहर निकले और अपनी मोटर सायकिलों पर बैठकर घर की तरफ जाने वाले थे, इसी बीच परवलिया की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार भारी वाहन ने राजेश आहिरवार और उनके साथी नीलेश विश्वकर्मा को टक्कर मार दी। इस हादसे में नीलेश के हाथ-पैरों में चोट आई थी, जबकि राजेश गंभीर रूप से घायल हो गए। राजेश को इलाज के लिए पास के निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उन्हें हमीदिया रैफर कर दिया गया। हमीदिया अस्पताल में इलाज के दौरान राजेश की मौत हो गई। मर्ग जांच के बाद पुलिस ने टक्कर मारने वाले अज्ञात भारी वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आरोपी वाहन की पहचान के लिए इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

मेट्रो एंकर | **बैरसिया पुलिस ने की कार्रवाई**

लग्जरी गाड़ी में शराब की तस्करी, पीछा किया तो गाड़ी छोड़कर भागे तस्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी करते हुए इनोवा कार जब्त की है। जब्त 19 पेटी देशी शराब की कीमत 85 हजार 200 रुपए है। पुलिस की धरपकड़ की कार्रवाई में दो बदमाश अंधेरा का फायदा उठाकर भाग निकले। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। पुलिस ने एक नामजद आरोपी और उसके साथी पर आबकारी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार शराब ठेकेदार द्वारा इलाके में बाहर से लाई जा रही अवैध शराब की जानकारी दी गईड़थी। बताया गया था कि विदिशा की तरफ से एक दिल्ली पासिंग की इनोवा कार में चालक आयुष राजपूत अपने साथी के साथ अवैध शराब लेकर आ रहा है। सूचना के बाद हरकत में आईड़पुलिस ने चेकिंग पाइंट लगाकर इनोवा गाड़ी को रोकने का प्रयास किया, लेकिन इनोवा के चालक ने तेजी से गाड़ी चलाते हुए भागने का प्रयास किया। पुलिस की टीम ने आरोपियों का पीछा किया तो वह मनख्याई के पास अपनी गाड़ी छोड़कर भाग निकले। गाड़ी की तलाशी लेने पर उसमें रखी 19 पेटी देशी शराब मिली। शराब की कीमत 85 हजार 200 रुपए बताई जा रही है। पुलिस शराब और इनोवा गाड़ी जब्त कर तस्करों की तलाश कर रही है। पुलिस का कहना है कि दिल्ली पासिंग गाड़ी के मालिक का पता आरटीओ कार्यालय से पता लगाया जा रहा है।

शराब पीने से मना करने पर दांत से युवक का होंठ काटा, पुलिस ने किया मामला दर्ज

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित आनंद नगर शासकीय स्कूल के सामने एक युवक ने अपने दोस्त के साथ मारपीट करते हुए उसके होंट को दांतों से काट लिया। दरअसल, आरोपी ने उसे शराब पीने के लिए कहा था और उसने मना कर दिया। इसी बात को लेकर हुए विवाद में आरोपी ने मारपीट करते हुए उसके होंट पर काट दिया। इससे उसका निचला होंट कटकर अलग हो गया। लहूलुहान स्थिति में वह अस्पताल पहुंचा और वहां इलाज कराने के बाद थाने पहुंचकर शिकायत की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दांत से कांटने का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार भगवान सिंह उर्फ गोलू पिता भोगीराम ग्वाला (32) पुराना शिव नगर, आनंद नगर पिपलानी में रहता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वह अजय गुप्ता की बस चलाता है। रविवार दोपहर वह आनंद, सरकारी स्कूल के सामने साहू टी स्टाल के पास खड़ा था। इसी बीच उसका दोस्त अखिल चौधरी पहुंचा। उसने कहा कि शराब पीने चलों। भगवान सिंह ने कहा कि वह दिन में शराब नहीं पीता। इस पर अखिल ने गाली गलौज शुरू कर दी। भगवान सिंह ने गाली गलौज करने से मना किया तो वह भड़क गया और अखिल मेरे साथ मारपीट शुरू कर दी। उसका विरोध किया तो झूमाझटकी होने लगी। इसी बीच आरोपी अखिल ने अपने दांत से उसका नीचे वाला होंट पर काटकर अलग कर दिया। भगवान सिंह ने शोर किया तो आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। यह देख आरोपी धमकाते हुए मौके से भाग निकला।

11 स्थायी वारंट तामील, 39 गिरफ्तारी सहित 63 जमानती वारंटों की तामीली की, 36 गुंडा निगरानी बदमाशों को चेक किया

देहात पुलिस की कांबिंग गश्त, 77 पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों ने चलाया धरपकड़ अभियान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

देहात पुलिस द्वारा सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात कांबिंग गश्त का आयोजन किया गया। एसपी प्रमोद सिन्हा के नेतृत्व में हुई कांबिंग गश्त में 11 स्थायी वारंट तामील, 39 गिरफ्तारी सहित 63 जमानती वारंटों की तामिली की, 36 गुंडा निगरानी बदमाशों को चेक किया गया। कांबिंग गश्त की ग्रामीणों ने सराहना की। जानकारी के अनुसार एसपी प्रमोद कुमार सिन्हा के निर्देशन में सोमवार मंगलवार की दरमियानी रात कांबिंग गश्त आयोजित की गई। कांबिंग गश्त में 77 अधिकारी और कर्मचारी ने हिस्सा लिया। गश्त में शामिल होने से पूर्व एसपी ने सभी को ब्रीफ किया और अपने अपने इलाके में प्रभावी धरपकड़ और सावधानी बरतने के निर्देश दिए थे। रात में शुरू हुई इस गश्त में 11 स्थायी वारंट तामील, 39 गिरफ्तारी सहित 63 जमानती वारंटों की तामिली की, 36 गुंडा निगरानी बदमाशों को चेक किया गया। इस विशेष अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों पर नियंत्रण स्थापित करना, वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करना तथा आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना था। एसपी प्रमोद सिन्हा ने बताया कि यह अभियान अपराध एवं आपराधिक तत्वों पर नकेल कसने की दिशा में महत्वपूर्ण है। भोपाल देहात पुलिस द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के अभियान समय-समय पर चलाए जाते रहेंगे, जिससे आमजन में सुरक्षा की भावना बनी रहे और कानून व्यवस्था प्रभावी रूप से कायम रह सके।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
कार्यकारी संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022